राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 21 मार्च 2024 वर्ष–7,अंक–58 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, मानहानि मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने भेजा समन

नई दिल्ली। अधिवक्ता जय अनंत देहाद्राई ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया हैंडल सहित विभिन्न मीडिया पर कथित रूप से अपमानजनक बयान देने के लिए टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा और अन्य प्रतिवादियों को समन जारी किया। अदालत ने मुकदमे में अंतरिम राहत की मांग करने वाले देहाद्राई के आवेदन पर मोइत्रा से जवाब मांगा और मामले को 08 अप्रैल को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहाद्राई ने कहा कि मैंने महुआ मोइत्रा और कुछ अन्य समाचार एजेंसियों और इंटरनेट मध्यस्थों के खिलाफ मेरे बारे में दिए गए कुछ अपमानजनक अपमानजनक बयानों को प्रसारित करने के लिए मानहानि का मुकदमा दायर किया है। इसलिए इसे आज सूचीबद्ध किया गया और दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा आज प्रतिवादियों को समन जारी किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि मैं सिर्फ इतना चाहता हूं कि उन्होंने मेरे बारे में जो अभद्र टिप्पणी की है, उसे हटा दिया जाए।' मैं बस यही माँग रहा हूँ।

बेटी और पति के साथ रामलला के दर्शन करने पहुंची प्रियंका चोपड़ा

अयोध्या । बालीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा बेटी मालती और पति निक जोनस के साथ इन दिनों इंडिया में हैं। इस दौरान बुधवार को प्रियंका अपनी बेटी और पति के साथ रामलला के दर्शन के अयोध्या पहुंचीं। प्रियंका भारी सुरक्षा के बीच बुधवार को अयोध्या पहुंचीं। वहां उन्होंने पति और बेटी संग रामलला के दर्शन कर माथा टेककर आशीर्वाद लिया। इस दौरान फैंस की भी भारी भीड़ मौजूद थी। इस दौरान प्रियंका ने पीले रंग की साड़ी पहनी थी, वहीं निक भारतीय परिधान कुर्ता पहने नजर आए। साथ में प्रियंका की मां मधु चोपड़ा भी थीं।

लद्दाख में प्रदर्शन को लेकर खरगे का कटाक्ष: 'मोदी की चीनी गारंटी'

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लद्दाख में पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि इस केंद्रशासित प्रदेश को लेकर दी गई 'मोदी की गारंटी' एक विश्वासघात है तथा यह 'चीनी गारंटी' है। पर्यावरणविद सोनम वांगचुक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा दिए जाने की मांग को लेकर पिछले दो सप्ताह से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मोदी की चीनी गारंटी! लद्दाख में संविधान की छठी अनुसूची के तहत जनजातीय समुदायों की सुरक्षा की मांग के पक्ष में समर्थन की एक मजबूत लहर है। लेकिन अन्य सभी गारंटी की तरह-लद्दाख के लोगों को संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित करने की 'मोदी की गारंटी' एक बहुत बड़ा विश्वासघात है। यह नकली और चीनी है।' उन्होंने आरोप लगाया, 'मोदी सरकार लद्दाख के पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हिमालयी ग्लेशियर का दोहन करना चाहती है और अपने करीबी दोस्तों को फायदा पहुंचाना चाहती है। गलवान घाटी में हमारे 20 बहादुरों के बलिदान के बाद पीएम मोदी की चीन को क्लीन चिट ने हमारी रणनीतिक सीमाओं पर चीन की विस्तारवादी प्रकृति को बढ़ावा दिया है।'

भारत में दुनिया की तीसरी बड़ी स्टार्टअप पारिस्थितिकी, सही समय पर सही फैसले हुए: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि 1.25 लाख से अधिक स्टार्टअप और 110 यूनिकॉर्न के साथ भारत दुनिया की तीसरी बड़ी स्टार्टअप पारिस्थितिकी के रूप में उभरा है और सही निर्णयों के साथ एक विकसित राष्ट्र बनने का रोडमैप तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 'स्टार्टअप महाकुंभ' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की स्टार्टअप पारिस्थितिकी अब सिर्फ मेट्रो शहरों तक ही सीमित नहीं है, यह अब एक सामाजिक संस्कृति बन चुकी है।

इस मौके पर मोदी ने वादा किया कि वह अपने तीसरे कार्यकाल में भारत को

दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएंगे। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप भारत की प्रगति में बड़ी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, 'स्टार्टअप इंडिया पहल ने नवीन विचारों को मंच दिया और उद्यमियों और उद्यमों को वित्त पोषण से जोड़ा।'

मोदी ने लोगों की बदलती मानसिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत के युवाओं ने नौकरी की तलाश करने के बजाय नौकरी देने वाला बनने का रास्ता चुना है। उन्होंने कहा कि 45 प्रतिशत से अधिक भारतीय स्टार्टअप की कमान महिलाओं के पास है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण कर दिया है, लिहाजा इस क्षेत्र में साधन-संपन्न और वंचित का सिद्धांत काम नहीं कर सकता है। मोदी ने कहा कि अंतरिम बजट में अनुसंधान और नवाचार के लिए घोषित एक लाख करोड़ रुपये के कोष से उदीयमान क्षेत्रों को मदद मिलेगी।

झारखंड में मांडू क्षेत्र के भाजपा विधायक जयप्रकाश भाई पटेल कांग्रेस में शामिल

रांची/नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड के मांडू विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक जयप्रकाश भाई पटेल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा, प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। माना जा रहा है कि वह हजारीबाग लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी हो सकते हैं।

जयप्रकाश भाई पटेल को भाजपा ने कुछ महीने पहले झारखंड विधानसभा में विधायक दल का सचेतक नियुक्त किया था। उनकी गिनती झारखंड के प्रमुख कुर्मी नेताओं में होती है। इसके पहले वह झारखंड मुक्ति मोर्चा में थे। वह मांडू क्षेत्र से लगातार दो बार विधायक चुने गए हैं। उनके पिता दिवंगत टेकलाल महतो भी मांडू क्षेत्र से कई बार विधायक और गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से सांसद रह चुके थे। कांग्रेस में शामिल होने के बाद पटेल ने कहा कि वे अपने पिता स्व. टेकलाल महतो के सपनों को पूरा करने के लिए कांग्रेस में शामिल हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि इस बार झारखंड की सभी 14 सीटों पर 'इंडिया' गुट के प्रत्याशी विजयी होंगे।

भारत में रोहिंग्या घुसपैठियों को बसने का कोई अधिकार नहीं

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दे दिया कड़ा जवाब, लगाई गई थी याचिका

रोहिंग्याओं को तिब्बती व श्रीलंकाई शरणार्थियों के समान नहीं मान सकते: केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से साफ कह दिया है कि अवैध तरीके से भारत में घुसपैठ करने वाले रोंहिग्या मुसलमानों को यहां बसने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है। इतना ही नहीं केंद्र ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के अधिकारों की एक सीमा है और वो उस हद को पार करके संसद की शक्तियों को कमतर नहीं कर सकता है। केंद्र सरकार ने कहा कि न्यायपालिका को संसद और कार्यपालिका के विधायी और नीतिगत क्षेत्रों में प्रवेश करके अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वालों को शरणार्थी का दर्जा देने के लिए एक अलग कैटिगरी बनाने का कोई अधिकार नहीं है। सरकार ने अपने हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट के ही कई फैसलों का हवाला दिया। केंद्र ने कहा कि एक विदेशी को केवल संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है। उसे देश में रहने और बसने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को ही उपलब्ध है। सरकार ने कहा कि भारत यूएनएचसीआर शरणार्थी कार्ड को मान्यता नहीं देता है, जिसे कुछ रोहिंग्या मुसलमानों ने यह सोचकर हासिल कर लिया है कि इस आधार पर वो भारत में शरणार्थी का दर्जा पा लेंगे। सरकार ने कहा कि भारत पहले से ही बड़ी संख्या में बांग्लादेशियों की घुसपैठ की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। बांग्लादेशी घुसपैठियों ने कुछ सीमावर्ती राज्यों (असम और पश्चिम बंगाल) की डेमोग्राफी ही बदल दी है। सरकार ने कहा,भारत में रोहिंग्या के अवैध प्रवास और उनके भारत में रहने की अनुमति देना सिर्फ गैर-कानूनी ही नहीं बल्कि सुरक्षा के लिहाज से बहुत गंभीर खतरे का मामला भी है।

नेहरू के दौर को 'महान' मानने की सोच से बाहर निकलने की जरूरत: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार के कुछ प्रमुख निर्णयों की आलोचना करते हुए बुधवार को कहा कि इस सोच से बाहर निकलने की जरूरत है कि 1946 से शुरू हुआ दौर 'महान वर्षों' का था और देश ने इस दौरान शानदार प्रदर्शन किया। 'न्यूज18 राइजिंग भारत समिट' में एक सत्र के दौरान एक सवाल पर जयशंकर ने कहा कि शुरुआती वर्षों में विदेश नीति काफी हद तक 'नेहरूवादी वैचारिक बुलबुला' थी और 'इसके अवशेष आज भी जारी हैं।' जयशंकर ने जी20 की अध्यक्षता के दौरान भारत की भूमिका, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) को लेकर आलोचना, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने तथा वर्तमान संदर्भ और भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत-चीन और भारत-पाकिस्तान संबंधों जैसे कई मुद्दों पर बात की। आजादी के बाद शुरुआती वर्षों में सरकार की विदेश नीति के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा, 'आपने पाकिस्तान को गलत पाया, आपने चीन को गलत पाया, आपने अमेरिका को सही पाया और हमारी विदेश नीति बहुत अच्छी थी। इसलिए, इसे एक तरफ रख दें।' उन्होंने कहा, 'मैं 2024 के फायदे के लिए आज यह नहीं कह रहा। 1954 या 1950 पर गौर करें। मैं कहता हूं कि 1948, 1949, 1950, 1951, 1952 में जब निर्णय लिए जा रहे थे, तब कोई खड़ा होकर कह रहा था 'श्री नेहरू, आप क्या कर रहे हैं, क्या आपने इसके इस पहलू पर ध्यान दिया है?' ये नेहरू के समकालीन थे जो नेहरू द्वारा उस समय लिए जा रहे निर्णयों पर सवाल उठा रहे थे।'

पप्पू यादव की जनाधार पार्टी का कांग्रेस में विलय

नई दिल्ली । पांच बार लोकसभा के सदस्य रहे बिहार के प्रमुख नेता पप्पू यादव की जन आधार पार्टी का बुधवार को कांग्रेस में विलय हो गया। कांग्रेस की बिहार की प्रभारी महासचिव मोहन प्रकाश, पार्टी के संचार विभाग विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, बिहार विधानसभा में कांग्रेस के नेता शकील अहमद ने आज यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान श्री यादव और उनके पुत्र सार्थक यादव को अंग वस्त्र पहनाकर कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। श्री यादव के साथ ही उनके कई समर्थक कांग्रेस में शामिल हो गए। श्री प्रकाश ने श्री यादव का समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल होने पर उनका स्वागत किया और कहा कि उनके आने से कांग्रेस मजबूत होगी और इंडिया गठबंधन को भी बिहार में मजबूती मिलेगी। श्री यादव ने कहा कि जनाधार पार्टी सेवा संघर्ष और न्याय पर विश्वास करती है। वह पांच बार लोकसभा सदस्य और एक बार विधानसभा के सदस्य रहे लेकिन उनकी विचारधारा पूरी तरह से कांग्रेस की रही है। इस विचारधारा से उन्हें हमेशा ऊर्जा मिलती रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को एक मजबूत नेता बताते हुए उन्होंने कहा कि वह मोदी सरकार के खिलाफ सबसे सशक्त आवाज है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सबसे सशक्त नेता बताया और कहा कि वह जिस तरह से देश के एक कोने से दूसरे कोने तक 4000 किमी पैदल चले हैं वह अद्भुत क्षमता किसी और में नहीं है। उनका कहना था कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा का अपना करिश्मा है और उनका व्यक्तित्व सबको आकर्षित करता है।

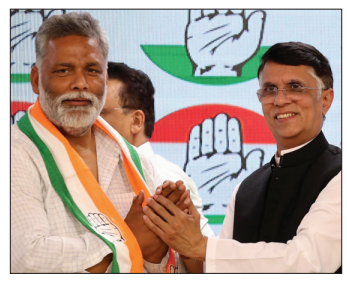

बिहार में एनडीए को 'पटखनी' देने की तैयारी में लालू

पूर्व सीएम ने सेट किया 'बी-के' और 'आर-के' वाला फॉर्मूला

पटना (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर इंडिया गठबंधन सीट शेयरिंग के मामले में उलझती जा रही है। कई ऐसे नीतिगत निर्णय तो है ही, साथ ही कई ऐसी सीटें हैं, जहां कई दलों की दावेदारी परवान पर है। कहा जा रहा है कि बिहार में हर तरह के फैसले के लिए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को अधिकृत कर दिया गया है। वह भी इस हिदायत के साथ कि शाम 6 बजे तक महागठबंधन के साथी दल अपने मंतव्य से वाकिफ करा दें। इसके बाद ही महागठबंधन में सीट शेयरिंग को अंजाम दिया जाएगा। इंडिया गठबंधन के दलों के बीच सामंजस्य स्थापित करने में कई पेच हैं। इंडिया गठबंधन के रणनीतिकार खासकर मुकेश सहनी और पप्पू यादव के

फैसले का इंतजार कर रहे हैं। राजद के भीतरी सूत्रों की माने तो लालू प्रसाद यादव ने साफ कह दिया है कि पप्पू यादव या फिर मुकेश सहनी, चाहें तो राष्ट्रीय जनता दल में या कांग्रेस में मर्ज कर जाएं।

कटिहार, पूर्णिया और बेगूसराय को लेकर भी पेच फंसा!

जानकारी के अनुसार कांग्रेस कन्हैया कुमार को बेगूसराय से लड़ाने के पक्ष में हैं। राजद का मानना है कि बेगूसराय में राजद रनर रहा है। कन्हैया तो तीसरे स्थान पर थे, इसलिए दावा राजद का बनता है। कटिहार को लेकर कांग्रेस अड़ी हुई है। कांग्रेस तारिक अनवर के लिए यह सीट चाहती है। तारिक अनवर यहां से सांसद भी रहे हैं। पर कटिहार से जदयू के सांसद हैं, इसलिए आरजेडी के उम्मीदवार बनाया जाए। पूर्णियां सीट भी कांग्रेस चाहती है। यहां से पप्पू यादव भी चुनाव लड़ना चाहते हैं।

केजरीवाल की याचिका पर हाईकोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

- सीएम ने समन को चुनौती दी थी; कोर्ट ने पूछा-आप पेश क्यों नहीं होते

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बार-बार समन भेजे जाने पर बुधवार को एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) को तलब किया। कोर्ट ने श्रष्ठ को अपना पक्ष रखने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है। जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस मनोज जैन की अध्यक्षता वाली बेंच ने केजरीवाल के वकीलों से भी पूछा- आप (केजरीवाल) ईडी के सामने पेश क्यों नहीं होते। आप देश के नागरिक हैं, समन सिर्फ नाम के लिए है।

दुनिया का सबसे खुशहाल देश फिनलैंड, 126 नंबर पर है भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के महाशक्तिशाली देश खुशहाली में पीछे हैं। अमेरिका, चीन और भारत जैसे तमाम देशों को खुशहाली में पीछे छोड़ने वाले फिनलैंड ने सातवीं बार पहला स्थाना हासिल किया है। मतलब फिनलैंड दुनिया का सबसे खुशहाल देश है। 2024 के लिए दुनिया के खुशहाल देशों की रैंकिंग वाली लिस्ट आ गई है। संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक विश्व खुशहाली रिपोर्ट बुधवार को प्रकाशित हुई। इस वार्षिक विश्व खुशहाली रिपोर्ट में फिनलैंड लगातार सातवें साल दुनिया का सबसे खुशहाल देश बना रहा। खुशहाली रैंकिंग में भारत पिछले साल की तरह ही 126वें स्थान पर है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे खुशहाल देशों में अब दुनिया का कोई भी सबसे बड़ा देश शामिल नहीं है। टॉप 10 देशों में केवल नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया की आबादी 15 मिलियन से अधिक है। पूरे टॉप 20 देशों में केवल कनाडा और यूके की आबादी 30 मिलियन से अधिक है। साल 2006-10 के बाद से हैप्पीनेस इंडेक्स में सबसे तेज गिरावट अफगानिस्तान, लेबनान और जॉर्डन में देखी गई, जबकि पूर्वी यूरोपीय देशों सर्बिया, बुल्गारिया और लातविया में सबसे बड़ी वृद्धि दर्ज की गई है। हैप्पीनेस रैंकिंग व्यक्तियों के जीवन संतुष्टि के स्व-मूल्यांकन के साथ-साथ प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, सामाजिक समर्थन, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार पर आधारित है। फिनलैंड में हेलसिंकी विश्वविद्यालय में हैप्पीनेस रिसर्चर जेनिफर डी पाओला ने बताया कि फिनलैंड में रहने वाले लोगों का प्रकृति से घनिष्ठ संबंध और स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन उनके जीवन की संतुष्टि में महत्वपूर्ण स्थान है। विश्व खुशहाली रैंकिंग में फिनलैंड के बाद डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन का नंबर आता है। नॉर्डिक देशों ने 10 सबसे खुशहाल देशों में अपना स्थान बरकरार रखा है। इस रैंकिंग में तालिबान के राज वाला अफगानिस्तान सबसे नीचे है। विश्व खुशहाली रिपोर्ट प्रकाशित होने के एक दशक से अधिक समय तक संयुक्त राज्य अमेरिका और जर्मनी टॉप 20 सबसे खुशहाल देशों में थे। मगर यह पहली बार है, जब नई रैंकिंग में अमेरिका 23वें और जर्मनी 24वें स्थान पर आ गए हैं। कोस्टा रिका और कुवैत ने 12 और 13वें स्थान पर टॉप 20 में एंट्री मार ली है।

संपादकीय

कुनबे की सियासत

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस के मंत्रिमंडल से इस्तीफे की खबर जिस समय आई, लगभग उसी वक्त झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक और शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन के भाजपा का दामन थामने की भी सूचना आई। ये दोनों खबरें बिहार-झारखंड में राजनीतिक नफे-नुकसान से ज्यादा सियासी खानदानों के अंतःपुर में महत्वाकांक्षाओं की भिड़ंत की ही मुनादी करती हैं। विडंबना यह है कि बड़े राजनीतिक दल भी ऐसे परिवारों के ईद-गिर्द अपने लिए संभावनाएं तलाशने के आदी हो चले हैं। यही कारण है कि एक गठबंधन को छोड़ने के बाद ये दूसरे गठजोड़ में आसानी से वही मुकाम हासिल कर लेते हैं। पशुपति कुमार पारस को आज शिकायत है कि एनडीए में उनके साथ नाइंसाफी हुई है, मगर यह सवाल उन्हें खुद से पूछना चाहिए कि आखिर उनके साथी सांसद चिराग पासवान के यहां क्यों हाजिरी लगा रहे थे? दरअसल, वे जानते थे कि सत्ता-संघर्ष में पारस ने भले मंत्री पद हासिल कर लिया हो, मगर अवाम के बीच चिराग ही सक्रिय रहे हैं और उनकी सभाओं में उमड़ती भीड़ को एनडीए व भाजपा का नेतृत्व नजरंदाज नहीं कर सकेगा। तब तो और, जब बिहार में एनडीए के सामने अपनी सीटें बचाने की बड़ी चुनौती है! पिछले चुनाव में इस गठजोड़ के पास 40 में से 39 सीटें थीं। झारखंड के सोरेन परिवार की कहानी इससे अलग नहीं है। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद जब वहां मुख्यमंत्री पद की दौड़ में उनकी पत्नी कल्पना का नाम उछला, तभी यह खबर भी आई थी कि सीता सोरेन इसके खिलाफ हैं, तब शिबू-हेमंत सोरेन के भरोसेमंद सहयोगी व पार्टी के वरिष्ठ विधायक चंपई सोरेन के नाम पर सहमति बनी थी और परिवार में बगावत की आवाज दब गई थी, मगर अब सीता सोरेन ने झामुमो का दामन झटककर साफ कर दिया है कि वह महज कयासबाजी नहीं थी। बहरहाल, सीता के इस फैसले से हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी और जेल पर सहानुभूति वोट बटोरने की झामुमो व इंडिया ब्लॉक को रणनीति को झटका लगेगा, क्योंकि स्वाभाविक ही सीता अब सोरेन परिवार में अपने साथ नाइंसाफी को मुद्दा बनाएंगी। भारतीय लोकतंत्र की यह कटु सच्चाई है कि मतदाताओं ने ही इन परिवारों को मान्यता दी है और यही कारण है कि जो राजनेता या राजनीतिक पार्टियां सार्वजनिक तौर पर परिवारवाद की आलोचना करती हैं, वे भी इनकी शरण में जाने से नहीं कतरातीं। मगर पशुपति पारस हों, सीता सोरेन हों या राज ठाकरे हों, वे परिवार की विरासत का लाभ तो उठाना चाहते हैं, मगर भूल जाते हैं कि राजनीतिक वारिस के चयन का अधिकार जनता ने राजनीतिक दलों को नहीं सौंपा है, बल्कि अपने पास रखा है, और वह सिर्फ खानदान का सदस्य होने मात्र से किसी को संसद या विधानसभा में बार-बार नहीं भेजती, उस सदस्य की निजी शख्सियत का भी समान रूप से आकलन करती है। आजादी के बाद राज्य-दर-राज्य जिन परिवारों ने अपनी मजबूत राजनीतिक पहचान बनाई है, उनके संघर्षशील सदस्य ही अपनी विरासत को आगे ले जा सके हैं, अन्यथा जनता द्वारा नकारे गए राजनीतिक परिवारों की संख्या भी कोई कम नहीं है। इसलिए मौजूदा दौर में परिवारवाद से ज्यादा चिंता की बात मौकापरस्त राजनीति है। इसमें सिर्फ सत्ता या कुरसी ही महत्वपूर्ण लक्ष्य है, सामाजिक-संस्थागत बदलाव की राजनीति लगातार पिछड़ती जा रही है, इसीलिए बगावतें भी मूल्यों को लेकर नहीं, पदों से प्रेरित होने लगी हैं।

आज का राशीफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

ग्लोबल वार्मिंग से निपटने की जरुरत

(लेखक- संजय गोस्वामी)

ग्लोबल वार्मिंग स्थानीय परिस्थितियोंए ऐतिहासिक परिघटनाओं और अल नीनो जैसी प्राकृतिक परिवर्तनशीलता सहित विभिन्न कारकों से प्रभावित एक जटिल महासागरीय घटना है। वर्तमान वैश्विक लक्ष्य इस समय 1ण्5 डिग्री सेल्सियस तक तापमान सीमा को नियंत्रित करना है। अतः इस संदर्भ मेंए संबंधित जलवायविक आपदाओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए ग्लोबल वार्मिंग के पैटर्न को समझना अनिवार्य है। इसी संदर्भ में पैलियो प्रॉक्सीए वैज्ञानिकों द्वारा अतीत की जलवायु तथा पर्यावरणीय स्थितियों के पुनर्निर्माण के लिये उपयोग किये जाने वाले संकेतक या रिकॉर्ड हैं।जंगल की आगए चक्रवातए सूखा और बाढ़ जैसी जलवायु आपदाओं के साथ.साथ विगत वर्ष 2023 में वार्मिंग या उच्चतम उष्णता के कई रिकॉर्ड टूट गए। इस समयए वैज्ञानिकों की भागीदारी के साथ .साथ अक्सर इस बात पर भी चर्चा रही है कि क्या हमने 1ण्5 डिग्री सेल्सियस की वार्मिंग सीमा को पार कर लिया है। सबसे सटीक अनुमानए विभिन्न उपकरणों द्वारा रिकॉर्ड किए गए आंकड़ों से प्राप्त होता हैए जिसके अनुसार पृथ्वी का तापमान अभी इस सीमा के ठीक नीचे है। पैलियो प्रॉक्सीज़ कोरलए स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेग्माइट्स जैसे कार्बनिक पदार्थों में संग्रहीत रासायनिक साक्ष्य का उपयोग करके ऐतिहासिक तापमान रुझानों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। उनकी उपयोगिता के बावजूदए इन प्रॉक्सी की सीमाएँ हैं और ये तापमान परिवर्तन का केवल अप्रत्यक्ष प्रमाण प्रदान करते हैं। वर्तमान शोधकर्ताओं द्वारा आत्मसात किए गए रासायनिक यौगिकों को पिछले तापमान के अनुमान के अनुसार सावधानीपूर्वक जांचते हैं। हालाँकिए ये प्रॉक्सी कारक स्थानीय तापमान की विसंगति का अनुमान लगाते हैं और उसे पूरी तरह से प्रतिस्थापित नहीं कर सकते हैं। इसके अलावाए नेचर पत्रिका में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन ने यह सुझाव देकर विवाद उत्पन्न कर दिया हैए कि पृथ्वी की सतह पहले से ही पैलियो.थर्मोमेट्री के आधार पर पूव.औद्योगिक स्तरों से 1ण्5 डिग्री सेल्सियस से अधिक गर्म हो चुकी है। हालाँकिए इस अध्ययन की सीमित डेटा पर निर्भरताए वैश्विक रुझानों पर इसकी प्रयोज्यता को लेकर संदेहास्पद बनाती है।जलवायु विज्ञान में प्रगति के बावजूदए ग्लोबल वार्मिंग के पैटर्न को समझने में काई बाधाएं आज भी विद्यमान हैं। अल नीनो घटनाओं और क्षेत्रीय विविधताओं सहित वार्मिंग पैटर्न को प्रभावित करने वाले कारकों की जटिलताए शोधकर्ताओं के लिए कई चुनौतियां उत्पन्न करती हैं। उदाहरण के लिएए भारत में वर्ष 2023 के मानसून का वितरण और तीव्रता स्पष्ट नहीं है। यह अस्पष्टताए अल नीनोए ग्लोबल वार्मिंग और स्थानीय जलवायु घटनाओं के बीच जटिल अंतरसंबंध को उजागर करता है। इसके अलावाए वार्मिंग पैटर्न की व्यापक समझ का अभाव जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने की हमारी क्षमता को कमजोर करता है। अतः बदलते मौसम के अनुकूल ढलने और आजीविका सहित अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए वार्मिंग पैटर्न की सटीक भविष्यवाणी आवश्यक हैए।अल नीनो घटनाएँ उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में गर्मी का पुनर्वितरण करके ग्लोबल वार्मिंग पैटर्न को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अल नीनो विभिन्न वर्षों के दौरानए समुद्र की गर्मी को अवशोषित करता है और उसे मुक्त भी करता हैए जिससे वैश्विक तापमान में उतार.चढ़ाव होता रहता है इसे टेलीकनेक्शन के रूप में जाना जाता है। अल नीनो घटनाओं के दौरान वार्मिंग का स्थानिक वितरण अलग.अलग होता हैए जिससे क्षेत्रीय जलवायु पर अलग.अलग प्रभाव पड़ता है।इसके अलावाए अल नीनो टेलीकनेक्शन विशिष्ट क्षेत्रों में तापमान विसंगतियों को बढ़ाने या कम करने के लिए ग्लोबल वार्मिंग से प्रत्यक्षतः संबंधित हैं। उदाहरण के लिएए अल नीनो द्वारा संचालित कैलिफोर्निया में हाल ही में आई बाढ़ए प्राकृतिक परिवर्तनशीलता और मानवजनित जलवायु परिवर्तन के बीच जटिल पारस्परिकता को रेखांकित करती है। इसीलिए वार्मिंग पैटर्न की सटीक भविष्यवाणी और संबंधित जोखिमों के प्रबंधन के लिए इन गतिशीलता को समझना अनिवार्य है।ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव क्षेत्रीय रूप से भिन्न होता है। यह स्थानीय अनुकूलन रणनीतियों की आवश्यकता को रेखांकित करता है। इस कारण आर्कटिक क्षेत्रों और रेगिस्तानी क्षेत्रों में बढ़ी हुई गर्मी का अनुभव होता हैए जबकि तटीय क्षेत्रों में समुद्री प्रभावों के कारण इसके कम प्रभाव दिखते हैं। अतएव जलवायु अनुरूप अनुकूलन उपायों को विकसित करने और जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए क्षेत्रीय परिवर्तनशीलता को समझना आवश्यक है। इसके अलावाए नीतिगत निर्णयों को सूचित करने और संसाधनों को प्रभावी ढंग से आवंटित करने के लिए क्षेत्रीय वार्मिंग पैटर्न की सटीक भविष्यवाणी आवश्यक है। क्षेत्रीय जलवायु मॉडल और अवलोकन डेटा को एकीकृत करकेए वैज्ञानिकय जलवायु अनुमानों की सटीकता बढ़ा सकते हैं और लक्षित हस्तक्षेप विकसित करने में नीति निर्माताओं की सहायता कर सकते हैं।जलवायु मॉडल भविष्य में वार्मिंग पैटर्न की भविष्यवाणी करने और शमन उपायों के प्रभाव का आकलन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये मॉडल वैश्विक जलवायु गतिशीलता का अनुकरण करने के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनए भूमि उपयोग परिवर्तन और प्राकृतिक परिवर्तनशीलता सहित विभिन्न कारकों को एकीकृत करते हैं। हालाँकिए मॉडल अनुमानों में अनिश्चितताओं के लिए अवलोकन संबंधी डेटा के विरुद्ध निरंतर शोधन और सत्यापन की आवश्यकता होती है। इसके अलावाए मशीन लर्निंग और डेटा एसिमिलेशन तकनीकों में प्रगति जलवायु मॉडल की सटीकता में सुधार और भविष्य के अनुमानों में अनिश्चितताओं को कम करने का वादा करती है। मॉडल सिमुलेशन के साथ अवलोकन संबंधी डेटा को एकीकृत करकेए वैज्ञानिक जलवायु पूर्वानुमानों की विश्वसनीयता बढ़ा सकते हैं और साक्ष्य.आधारित निर्णय लेने की जानकारी दे सकते हैं। ग्लोबल वार्मिंग के पैटर्न विभिन्न कारकों से प्रभावित होते हैंए जिनमें क्षेत्रीय परिवर्तनशीलताए अल नीनो जैसी प्राकृतिक घटनाएं और मानव.प्रेरित जलवायु परिवर्तन भी शामिल हैं। हालांकि 1ण्5 डिग्री सेल्सियस जैसी तापमान सीमाएं इस समय महत्वपूर्ण बेंचमार्क के रूप में काम करती हैं। इसके लिए प्रभावी जलवायु अनुकूलन और शमन के लिए वार्मिंग पैटर्न के स्थानिक वितरण और अस्थायी विकास को समझना आवश्यक है। पैलियो प्रॉक्सी के संभावित लाभ सहित जलवायु मॉडल को आगे बढ़ाना और अवलोकन डेटा को एकीकृत करकेए वैज्ञानिक ग्लोबल वार्मिंग पैटर्न के बारे में हमारी समझ को बढ़ा सकते हैंए साथ ही भविष्य के अनुमानों की सटीकता में सुधार कर सकते हैं। इसके अलावाए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए समग्र समाधान विकसित करने के लिए अंतःविषय सहयोग और हितधारक जुड़ाव अनिवार्य हैं। अंततः पैलियो प्रॉक्सी अध्ययन को प्राथमिकता देकर और मजबूत वैज्ञानिक अनुसंधान में निवेश करकेए हम जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम कर सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

पुर्तगाली अतीत से सनातन संस्कृति की ओर

विवेक शुक्ला

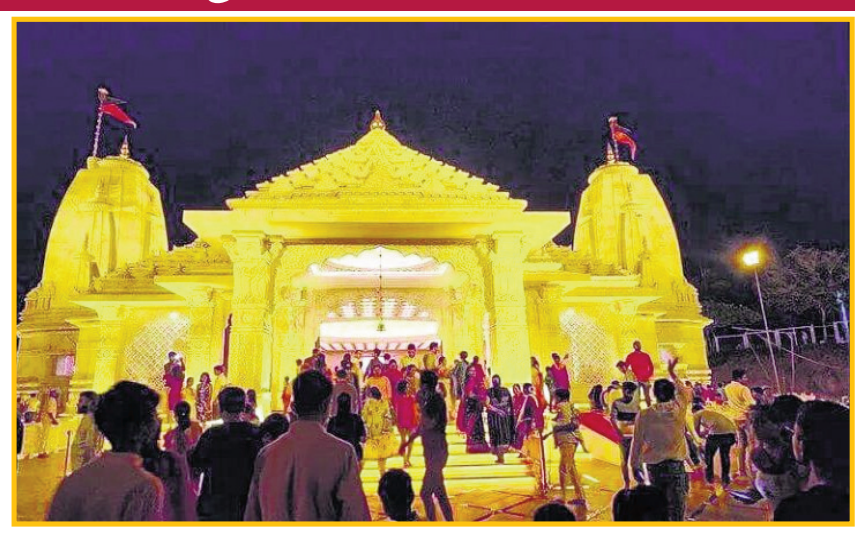

गोवा की इमेज इस तरह की बनाई जाती रही कि मानो ये भारत में यूरोप का कोई अंग हो। हां, गोवा पर लंबे समय तक पुर्तगाल का नियंत्रण रहा। उसका असर होना लाजिमी है। अब गोवा अपने सनातन और भारतीय मूल्यों से जुड़ने को बेकरार है। शताब्दियों लंबे विदेशी प्रभाव और हस्तक्षेप के बावजूद गोवा लगातार भारतीय परंपरा के साथ जुड़ा रहा। जिस गोवा के सांस्कृतिक आकर्षण को लेकर कभी एलेक पद्मसी जैसे दिग्गज लेखक कहते थे कि समुद्र के किनारे भारत का यह हिस्सा वेस्टर्न कल्चर का ईस्टर्न गेटवे है, वह गोवा आज सनातन और अध्यात्म के साथ अपने सांस्कृतिक डीएनए पर नाज कर रहा है। इस बात में कहीं कोई दोराय नहीं कि भारतीय स्वाधीनता संघर्ष को विचार और नेतृत्व की एक सीध में देखने की चूक जाने-अनजाने खूब हुई है। पर यह चूक आज दीर्घायु नहीं बल्कि दिवंगत है। भारतबोध की समझ और रोशनी में भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को देखने की ललक आज हर तरफ है। ललक की इस लाली में जहां स्वाधीनता को लेकर भारतीय मूल्य की गहरी जड़ों की हम शिनाख्त कर पाए हैं, वहीं गोवा मुक्ति संघर्ष जैसे सुनहरे पन्ने भारत के गौरवशाली इतिहास से प्रमुखता से जुड़ रहे हैं। गोवा को पुर्तगालियों के 450 सालों के राज से 19 दिसंबर, 1961 को आज़ादी मिली थी जब भारतीय सेना ने कार्रवाई करते हुए सिर्फ 36 घंटे में गोवा को आजाद कराया था। तब से हर साल 19 दिसंबर को गोवा मुक्तिदिवस मनाया जाता है। समाजवादी चिंतक और राजनेता डॉ. राममनोहर लोहिया ने 18 जून, 1946 को मडगांव में पुर्तगाली औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ गोमंतकों में संघर्ष करने का आह्वान किया था। गोवा के लोग खुद को लोहिया जी का ऋणी मानते हैं, जबकि डॉ. लोहिया कहा करते थे- मेरा गोवा पर नहीं, गोवा का मुझ पर ऋण है। गोवा भारतीय आस्था और परंपरा का स्वर्ण कलश बनके जगमगा रहा है, वह अभूतपूर्व है। बड़ी बात यह कि गोवा की इस चमक में विरासत और विकास का गुणसूत्र भी हमें दिखता है। बेशक, डॉ. प्रमोद सावंत आज जब अपने प्रदेश की परंपरा और संस्कृति के बारे में बात करते हैं तो यह साफ दिखता है कि वे अपने प्रदेश के विकास और समृद्धि के बीज सनातन मूल्य में देखते हैं, भारत की अध्यात्म यात्रा में देखते हैं। राजनीतिक तौर पर देखें तो गोवा वह राज्य है, जहां जनसंघ के जमाने से भाजपा की जड़ें गहरी रही हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अक्सर कहा करते थे कि गोवा ने न सिर्फ पुर्तगालियों के खिलाफ लंबा संघर्ष किया, बल्कि गुलामी के खिलाफ भारतीय मूल्य और संस्कार का शानदार आदर्श भी दुनिया के सामने रखा। गौरतलब है कि अंग्रेजों ने भारत पर करीब दो सौ साल शासन किया, लेकिन गोवा के लोगों ने साढ़े चार सौ साल तक पुर्तगालियों को सहा। इतिहास बताता है कि तमाम प्रतिकूलताओं के बावजूद गोवा भारत का वह हिस्सा है, जहां मंदिरों का पुनर्निर्माण हुआ। 16वीं शताब्दी में जिस मंदिर को पुर्तगालियों ने नष्ट किया था, उस सप्त कोटेश्वर मंदिर को छत्रपति शिवाजी जी ने बनवाया। आज जब सावंत सरकार ने छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा बनवाए गए इस मंदिर के पुनरुद्धार का बीड़ा उठाया है तो यह निस्संदेह एक बड़ी सांस्कृतिक पहल है। मुख्यमंत्री सावंत का संकल्प और उनकी प्रतिबद्धता गोवा के सांस्कृतिक इतिहास का ऐसा आख्यान साबित होने जा रहा है, जिसका मूल्यांकन महज राजनीतिक आधार पर नहीं किया जा सकता। गोवा के संबंध में यह महत्वपूर्ण है कि यहां की लगभग 60 फीसद जनसंख्या हिंदू है। ईसाइयों की संख्या 28 फीसद है। खास बात यह है कि यहां के ईसाई समाज में भी हिंदुओं जैसी सामाजिक व्यवस्थाएं और परंपराएं हैं। यहां की निर्माण और वास्तु परंपरा में हिंदू प्रभाव साफ दिखाई देता है। मंगेशी मंदिर, शांता दुर्ग मंदिर, महादेव मंदिर, चंद्रेश्वर भूतनाथ मंदिर, ब्रह्मा मंदिर, महालसा नारायणी मंदिर, महालक्ष्मी मंदिर, सप्तकोटेश्वर मंदिर और कामाक्षी मंदिर आदि हिंदू आस्था से लंबे समय से जुड़े रहे हैं। दरअसल, 1000-1200 साल पहले तक तो स्थिति यह थी कि गोवा की सांस्कृतिक पहचान कोंकण काशी के रूप में थी। पिछले एक दशक में देश में विकास और समृद्धि के जो आख्यान लिखे गए, आज गोवा उसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह सौ प्रतिशत घरों में नल से जल और बिजली आपूर्ति करने वाला देश का पहला राज्य है। इतना ही नहीं, यह पहला राज्य है कि जहां प्रत्येक गांव में सड़कें हैं। केंद्र सरकार की योजनाएं लागू करने के मामले में भी गोवा बाकियों के लिए नजीर है। पूरे राज्य में उज्ज्वला योजना सौ प्रतिशत लागू की गई। गोवा आज केरोसीन फ्री स्टेट है। यह शत-प्रतिशत शौचालय निर्माण वाला देश का पहला राज्य है। ऐसी योजनाओं की संख्या एक-दो नहीं, बल्कि 13 हैं, जिनमें गोवा बाकी प्रदेशों के मुकाबले शीर्ष पर है।

विचार मंथन

राजनीतिक दलों का घोषणा पत्र निर्वाचित प्रतिनिधियों का दल-बदल

लेखक -

सनत जैन

लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो गई है। 4 जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना होगी। सभी राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए घोषणा पत्र तैयार किये जा रहे हैं। राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं के लिए घोषणा कर अपने लिए समर्थन जुटाया जाता है। चुनाव के पहले सभी राजनीतिक दल और उम्मीदवार अपनी घोषणाओं के माध्यम से मतदाताओं का विश्वास अर्जित करते हैं। मतदाता भी राजनीतिक दलों की विचारधारा और उनके द्वारा की गई घोषणाओं के आधार पर मतदान करता है। मतदान के बाद जब चुनाव परिणाम आते हैं। जो भी विधायक अथवा सांसद चुने जाते हैं, वह जिस राजनीतिक दल के चुनाव चिन्ह से विजय प्राप्त करते हैं। चुनाव जीतने के बाद वह अपने व्यक्तिगत हितों को देखते हुए जिस पार्टी से वह चुनाव जीते हैं, उसको छोड़कर अन्य राजनीतिक दल में चले जाते हैं। वर्तमान में जो दल-बदल कानून है, उसका तोड़ राजनीतिक दलों द्वारा निकाल लिया गया है। वह संख्या के आधार पर सामूहिक दल-बदल करके सरकार गिराने और बनाने का काम करने लगे हैं। इसमें दल बदलने पर करोड़ों रुपए की कमाई निर्वाचित विधायकों और सांसदों को होती है, इस तरह के आरोप भी लगते हैं। दल-बदल करने के बाद कई राज्यों में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्री का पद मिल जाता है। इस कारण पिछले 10 वर्षों में दल-बदल की घटनाएं बड़ी तेजी के साथ बढ़ती चली जा रही हैं। दल-बदल कानून एक तरह से निष्प्रभावी होकर रह गया है। मतदाता अपने आपको ठगा हुआ महसूस करता है। जो विधायक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में जाते हैं, वह अपने मतदाताओं से पार्टी बदलने के लिये रायशुमारी भी नहीं करते हैं। एक तरह से निर्वाचित प्रतिनिधि मतदाताओं को धोखा देते हैं। मतदाता अपने अधिकार 5 वर्ष तक के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से विधायक और सांसद को देता हैं। मतदाता राजनी तिक दल की विचारधारा और राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र को ध्यान में रखते हुए अपना प्रतिनिधि चुनता है। संविधान ने मतदाता को प्रतिनिधि चुनने का अधिकार दिया है। मतदाता के साथ दल-बदल धोखाधड़ी करना, यह एक तरह का अपराध है। 91 के संविधान संशोधन में 2003 में इसमें संशोधन किया गया। दो तिहाई सदस्यों के विलय करने पर ही दल-बदल को सही ठहराया गया। इस संशोधन में एक संशोधन यह भी था, एक तिहाई सदस्य यदि अपनी पार्टी से अलग होकर अलग गुट बना लेते हैं, तो उसे दल-बदल नहीं माना जाएगा। पिछले 10 वर्षों में इस प्रावधान का जबरदस्त दुरूपयोग हुआ है। अलग गुट बनाकर गठबंधन की सरकार में शामिल होकर सरकारों को गिराने और बनाने का खेल शुरू हो गया है! वर्तमान दल-बदल और खरीद बिक्री की स्थिति को देखते हुए दल-बदल कानून में परिवर्तन किए जाने की मांग बड़ी तेजी के साथ उठने लगी है! कहा जा रहा है, कि जनप्रतिनिधि को जिस पार्टी से वह चुना गया है यदि वह पार्टी छोड़ना चाहता है, तो पहले वह अपने विधायक और सांसद के पद से इस्तीफा दे। उसके बाद चुनाव लड़कर वह जहां जाना चाहता वहां जाए है। निर्वाचित प्रतिनिधि पार्टी छोड़कर निर्दलीय या जिस पार्टी में जाना चाहता है, उसकी टिकट पर चुनाव लड़कर मतदाताओं का विश्वास जीते। सांसद हो या विधायक, वह मतदाताओं का प्रतिनिधित्व विधानसभा अथवा लोकसभा में करता है। संविधान के अनुसार मतदाता ही सर्वोपरि है। मतदाताओं के दिए गए अधिकार का दुरुपयोग करना निर्वाचित प्रतिनिधि का अधिकार नहीं हो सकता है। जिस तरह से निर्वाचित प्रतिनिधि अभी दल-बदल कर हॉर्स ट्रेडिंग की तरह खरीदे और बेचे जा रहे हैं, इस पर रोक लगाई जानी चाहिए। तभी लोकतंत्र को सुरक्षित रखा जा सकता है। जन प्रतिनिधियों को तभी मतदाताओं के प्रति उत्तरदाई बनाया जा सकता है।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बीच ही खरीदारी से भी बाजार ऊपर आया है पर फेड के फैसलों को देखते हुए निवेशकों ने खरीददारी में सतर्कता बरती जिससे बाजार की तेजी पर अंकुश भी लगा रहा। आज कारोबार के दोर व्यापक बाजारों में भी बीएसई मिडकैप 0.05 फीसदी बढ़ा, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में भी 0.14 फीसदी की गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 89.64 अंक करीब 0.12 फीसदी बढ़कर 72,101.69 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी में भी 21.65 अंक तकरीबन 0.1 फीसदी बढ़त आई। निफ्टी दिन के अंत में 21,839.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में मारुति सुजुकी, नेस्ले इंडिया, पावर ग्रिड, आईटीसी, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस और एसबीआई के शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं। दूसरी ओर टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, जेएसडब्ल्यू स्टील और एचसीएल टेक के शेयर गिरे हैं। वहीं गत दिवस बाजार नीचे आया था। इस दौरान टीसीएस, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में गिरावट आई थी। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई है। सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में खुलते हुए दिखाई दिये। मिडकैप इंडेक्स भी मजबूत खुला है। वहीं

अमेरिकी बाजारों के हाल पर नजर डालें तो लगातार दूसरे दिन अमेरिकी बाजार में तेजी बरक़रार है। एसएंडपी 500 में रिकॉर्ड क्लोजिंग और डाओ एक महीने की ऊंचाई पर है। वहीं नैस्डैक में भी 60 अंकों की तेजी दर्ज की गई। स्मॉलकैप 2000 में भी करीबन आधे फीसदी की तेजी देखी गई है।

ब्रिटेन में खुदरा मुद्रास्फीति 3.4 प्रतिशत रही

लंदन ।

ब्रिटेन में खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में अनुमान से कहीं कम 3.4 प्रतिशत रही है, जो सितंबर, 2021 के बाद सबसे निचला स्तर है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने बुधवार को फरवरी के आंकड़े जारी कर कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति 3.4 प्रतिशत रही है। जनवरी में यह चार प्रतिशत थी। फरवरी में खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर, 2021 के बाद सबसे कम है। बात दें कि खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट के पीछे खाद्य कीमतों में आई नरमी है। फरवरी में मुद्रास्फीति का आंकड़ा विश्लेषकों के अनुमान से कहीं अधिक है। विश्लेषकों ने 3.6 प्रतिशत मुद्रास्फीति का अनुमान जताया था। हालांकि, यह आंकड़ा अब भी बैंक ऑफ इंग्लैंड के दो प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक है। रूस-यूक्रेन संघर्ष की वजह से वर्ष 2022 में मुद्रास्फीति के 11 प्रतिशत पर पहुंच जाने के बाद से इस नीचे लाने के लिए कोशिशें की जा रही हैं। खुदरा मुद्रास्फीति में आई इस गिरावट से ब्रिटिश केंद्रीय बैंक की तरफ से नीतिगत ब्याज दर के मोर्चे पर राहत की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

जेबीएम ऑटो को पीएम-ईबस सेवा के लिए 7,500 करोड़ का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली । जेबीएम ऑटो को पीएम-ईबस सेवा योजना के तहत 1,390 इलेक्ट्रिक बस के साथ संबद्ध इलेक्ट्रिक और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 7,500 करोड़ रुपये का ऑर्डर हो सिल हुआ है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह ऑर्डर 12 से 18 महीने में पूरा करना होगा। कंपनी की अनुषंगी कंपनी जेबीएम इकोलाइफ मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड को एल1 घोषित किया गया है और 1,390 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद, आपूर्ति, संचालन और रखरखाव और संबद्ध इलेक्ट्रिक और बुनियादी ढांचे का विकास करना होगा। सरकार ने पिछले साल अगस्त में पीएम-ईबस सेवा योजना की घोषणा की थी। इसके अंतर्गत सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत 169 शहरों में 10,000 इलेक्ट्रिक बस की आपूर्ति की जाएगी। इसके तहत उन शहरों को प्राथमिकता मिलेगी जहां संगठित बस सेवा नहीं है।

एआई से संबंधित स्टार्टअप के लिए 2,000 करोड़ की योजना: अधिकारी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कृत्रिम मेधा (एआई) से संबंधित स्टार्टअप के वित्तपोषण और समर्थन के लिए 2,000 करोड़ रुपए से ज्यादा रकम आवंटित की है और अगले वित्त वर्ष में यह योजना शुरू होगी। ऐसी जानकारी मिली है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत गठित स्टार्टअप हब के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में यहां स्टार्टअप महाकुंभ में कहा कि सरकार सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए डिजाइन-संबद्ध प्रोत्साहन जैसी योजनाओं के माध्यम से प्राथमिकता क्षेत्र के लिए एक बड़ा वित्तपोषण कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल से भारत एआई मिशन को मिली मंजूरी के तहत देश में एआई पारिस्थितिकी के समर्थन के लिए 10,000 करोड़ रुपए आवंटित किए जा रहे हैं। इसमें से 2,000 करोड़ रुपए से अधिक रकम एआई से जुड़े स्टार्टअप के समर्थन एवं वित्तपोषण के लिए आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि हम इन कार्यक्रमों और योजनाओं को लागू करने के लिए व्यवस्था बनाने पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। इसे आगामी वित्त वर्ष के अंदर शुरू करना चाहिए। मंत्रिमंडल ने देश में एआई विकास के लिए 10,372 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ भारत एआई मिशन को हाल ही में मंजूरी दी है। विजय ने कहा कि स्टार्टअप हब वर्तमान में पूरे भारत में 143 इनक्यूबेटर और उत्कृष्टता केंद्रों को समर्थन और वित्तपोषण दे रहा है। इसके साथ कोषों का कोष के जरिये सभी स्टार्टअप को संकल्पना स्तर से विकास स्तर तक वित्तपोषण दिया जा रहा है।

जियो फाइनेंशियल ने जेएलएसएल में 40 करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली । जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी जियो लीजिंग सर्विसेज लिमिटेड (जेएलएसएल) में 40 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस कंपनी का गठन चल संपत्ति गतिविधियों को पट्टे पर देने के लिए किया गया है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी ने अपने व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए जेएलएसएल के 10 रुपये के चार करोड़ शेयरों को समान मूल्य पर 40 करोड़ रुपये की नकद राशि से खरीदा। इसमें कहा गया कि उपरोक्त लेनदेन के लिए किसी सरकारी या नियामकीय अनुमोदन की जरूरत नहीं थी। बयान के अनुसार अनुषंगी कंपनी सभी प्रकार की चल संपत्तियों को पट्टे पर देने के व्यवसाय में लगेगी।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 20 फीसदी बढ़कर 18.90 लाख करोड़ पहुंचा

- पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में प्रत्यक्ष कर संग्रह 15,76,776 करोड़ था

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष में 17 मार्च तक प्रत्यक्ष कर संग्रह (डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन) में 19.88 फीसदी बढ़ोतरी देखी गई है। यह बढ़कर 18.90 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। आयकर विभाग के निकाय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि 17 मार्च तक कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 18,90,259 करोड़ रुपए रहा है। इसमें 9,14,469 करोड़ रुपए कॉरपोरेट टैक्स और व्यक्तिगत आयकर के अलावा 9,72,224 करोड़ रुपए का सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) भी शामिल है। इसके साथ चालू वित्त वर्ष में 17 मार्च तक करीब 3.37 लाख करोड़ रुपए का रिफंड भी जारी किया जा चुका है। सकल आधार पर रिफंड समायोजन से पहले कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 22.27 लाख करोड़ रुपए था। यह एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 18.74 फीसदी ज्यादा है। सीबीडीटी ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में 17 मार्च तक प्रत्यक्ष कर संग्रह के अस्थायी आंकड़े बताते हैं कि शुद्ध टैक्स संग्रह 18,90,259 करोड़ रुपए है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 15,76,776 करोड़ रुपए था। यह वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 19.88 फीसदी अधिक है। सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह के संशोधित अनुमान में पूरे वित्त वर्ष के लिए प्राप्तियां 19.45 लाख करोड़ रुपए रहने की उम्मीद जताई है। ज्यादा टैक्स कलेक्शन से सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के लिए इस पैसे का उपयोग कर सकती है। ज्यादा टैक्स कलेक्शन से सरकार का राजकोषीय घाटे में कमी आएगी। इससे अर्थव्यवस्था में स्थिरता आएगी। सरकार इस पैसे का उपयोग आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कर सकती है।

रिलायंस पावर ने पिछले हफ्ते तीन बैंकों के बकाये का निपटारा किया

- रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर भी जेसी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन का चुकाएगी कर्ज

मुंबई ।

कर्ज के बोझ तले दबे कारोबारी अनिल अंबानी के दिन अब बदलने लगे हैं। उनकी कंपनियां तेजी से अपने कर्ज का निपटारा करने में लगी हुई है। सूत्रों के मुताबिक अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने पिछले हफ्ते तीन बैंकों आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और डीबीएस बैंक के बकाये का निपटारा कर दिया। इसी तरह इसकी पेरेंट कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर भी जेसी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी के 2,100 करोड़ रुपए बकाये का भुगतान करने की योजना बना रही है। एक कमर्शियल बैंक के वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा कि रिलायंस पावर का लक्ष्य इस वित्त वर्ष के अंत तक कर्ज मुक्त कंपनी बनना है। इसकी बही-खातों पर एकमात्र कर्ज आईडीबीआई बैंक से लिया गया वर्किंग कैपिटल लोन होगा। आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और डीबीएस बैंक का रिलायंस पावर पर कुल मिलाकर करीब 400 करोड़ रुपए का बकाया था और उन्होंने अपने प्रिंसिपल लोन का लगभग 30-35 फीसदी वसूल कर लिया है। एक्सचेंजों को जारी नोटिस के मुताबिक रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और जेसी फ्लावर्स एआरसी ने एक स्टैंडस्टिल एग्रीमेंट किया था। शुरू में यह एग्रीमेंट 20 मार्च तक था। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के एक प्रवक्ता ने कहा कि इसे हाल ही में 31 मार्च तक बढ़ा दिया गया था। एग्रीमेंट के मुताबिक जेसी

फ्लावर्स एआरसी 31 मार्च तक रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगा। इससे कंपनी को फंड की व्यवस्था करने का समय मिलेगा। एक्सिस, आईसीआईसीआई, और डीबीएस बैंक ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की। रिलायंस पावर ने भी लोन सेटलमेंट की डिटेल्स पर कोई टिप्पणी नहीं की। बता दें कि रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में तेजी भी बरकरार है। बीएसई पर रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर का शेयर बीते 5 दिनों में 10.5 फीसदी उछला है, जबकि 6 महीनों में इसने 38 फीसदी फायदा कराया है। वहीं रिलायंस पावर का शेयर बीते 5 दिनों में 8.10 फीसदी और 6 महीनों में 19 फीसदी मजबूत हुआ है।

एयर इंडिया की कमजोरी से बची कई विमानन कंपनियां: विल्सन

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया के मुख्य कार्य अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन का ने कहा कि भारत के आसपास की कई विमानन कंपनियां एयर इंडिया की कमजोरी के कारण बची हुई हैं लेकिन अब विमानन कंपनी के पास उनसे बाजार वापस प्राप्त करने और देश को लोगों के लिए यात्रा का केंद्र बनाने का अवसर है। विल्सन ने यह बात हाल ही में चार्टर्ड अकाउंटेंसी फर्म पीकेएफ श्रीधर एंड संतानम की 45वीं वर्षगांठ के समारोह में कहा कि एयर इंडिया के निजीकरण के समय एक देश के रूप में भारत के पास चौड़ी बॉडी वाले 43 विमान थे जबकि दुबई के पास 250, सिंगापुर के पास 150 और कतर के पास 175 विमान थे। यह एयर इंडिया के लिए छोटा स्तर है और उसके पास आगे बढ़ने का अवसर है। एमिरेट्स, कतर एयरवेज, एतिहाद एयरवेज और सिंगापुर एयरलाइंस जैसी विमानन कंपनियां इस क्षेत्र में अपने केंद्रों के जरिये भारत से अंतरराष्ट्रीय यातायात की भरपूर सेवा प्रदान करती हैं। बी787 और ए350 जैसे चौड़ी बॉडी वाले विमानों में ईंधन के बड़े टैंक होते हैं जो लंबी दूरी की उड़ान सुविधा देते हैं। प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के बाद जनवरी 2022 में एयर इंडिया को टाटा को बेच दिया गया था। जुलाई 2022 में एयर इंडिया की कमान संभालने वाले विल्सन ने विमानन कंपनी के लिए एमिरेट्स, कतर एयरवेज, सिंगापुर एयरलाइंस और ब्रिटिश

एयरवेज जैसी सेवा, उत्पाद गुणवत्ता तथा आतिथ्य का स्तर हासिल करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि भारत से जुड़ी कई विमानन कंपनियां भारतीय बाजार में अपना अस्तित्व बचाए रखने में कामयाब रहीं। विशेष तौर पर उन्हें एयर इंडिया की कमजोरी से भी भारतीय बाजार में डटे रहने में मदद मिली।

टाटा स्टील भी नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर से जुटाएगा 2,700 करोड़

नई दिल्ली ।

टीसीएस के बाद स्टील सेक्टर की ग्लोबल दिग्गज कंपनी टाटा स्टील ने ऐलान किया कि वह नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर के जरिये 2,700 करोड़ रुपये जुटाएगी। एक्सचेंजों को कंपनी ने बताया कि कंपनी के बोर्ड ने रकम जुटाने की मंजूरी दे दी है। स्टील दिग्गज कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि कमेटी ऑफ डायरेक्टर्स ने हाल ही में हुई अपनी बैठक में नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर (एनडीसी) के जरिये रकम जुटाने को मंजूरी दे दी है। बता दें कि कमेटी ऑफ डायरेक्टर्स टाटा स्टील लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा गठित एक कमेटी है। टाटा स्टील की तरफ से जारी किए गए डिबेंचर्स की अलॉटमेंट 27 मार्च से शुरू हो जाएगी और इनकी मैच्योरिटी 3 साल की यानी 26 मार्च, 2027 तक होगी। कंपनी ने कहा कि 1 लाख रुपये की फेस वैल्यू पर वह 2,70,000 नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर के जरिये 2,700 करोड़ रुपये जुटाएगी। कंपनी की तरफ से की गई फाइलिंग के मुताबिक निवेशकों को डिबेंचर पर कूपन हर साल मिलेगा जबकि, मूल धन का भुगतान तीन साल की मैच्योरिटी पूरी होने के बाद एकमुश्त किया जाएगा। बता दें कि टाटा स्टील को इंडिया रेटिंग्स और केयर रेटिंग्स ने एए प्लस रेटिंग दी है।

जोमेटो ने ग्रीन यूनिफॉर्म का फैसला वापस लिया

नई दिल्ली ।

जोमेटो ने अपने प्योर वेज फ्लीट के डिलीवरी पर्सन के लिए रेड की जगह ग्रीन यूनिफॉर्म का फैसला वापस ले लिया है। घोषणा के एक दिन के भीतर ही जोमैटो ने इस फैसले को वापस ले लिया। दरअसर जोमैटो ने हाल ही में वेज खाना खाने वालों के लिए एक खास सेवा शुरु की थी।

शाकाहारी खाने को तरजीह देने वाले ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्योर वेज मोड सर्विस का ऐलान किया था, जिसके तहत 100 फीसदी वेज खाना पसंद करने वालों के लिए प्योर वेज रेस्ट्रां से खाना डिलीवर किया जाएगा और वेज खाना डिलीवर करने के लिए जोमैटो में एक अलग से एक डिलीवरी पर्सन की शाखा बनेगी, जिसे प्योर वेज फ्लीट का नाम दिया गया। कंपनी के संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी थी। वहीं वेज और नॉन वेज खाने के डिलिवरी पर्सन की अगल-अगल यूनिफॉर्म के इस फैसले के बाद से जोमैटो की काफी आलोचना हुई।

सोशल मीडिया पर यूजर्स ने कंपनी को खूब खरी-खोटी सुनाई। इसी आक्रोश के बीच कंपनी के सीईओ दीपिंदर गोयल ने इस फैसले को वापस लेने का ऐलान किया है।

इस मामले में उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, हम शाकाहारियों के लिए एक फ्लीट जारी रखने जा रहे हैं, लेकिन ग्रीन यूनिफॉर्म को हटाने का फैसला किया है। गोयल ने आगे कहा कि जो ग्राहक प्योर वेज का विकल्प चुनते हैं, वे मोबाइल ऐप पर देख सकते हैं कि उनके ऑर्डर केवल शाकाहारी फ्लीट द्वारा ही डिलीवर किए जा रहे हैं।

गोयल ने फैसले को वापस लेते हुए पोस्ट में कहा कि इन मुद्दों को उठाने के लिए सोशल मीडिया को धन्यवाद दिया।

बाजार खुलते ही आयशर मोटर्स के शेयर में पांच फीसदी तेजी

नई दिल्ली ।

मिले-जुले ग्लोबल संकेतों के बाद बुधवार को शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई है। बाजार में इस हलचल का असर ऑटो सेक्टर पर भी दिखाई दे रहा है।

ऑटो सेक्टर में खास तौर पर आयशर मोटर्स का शेयर जबरदस्त तेजी में दिख रहा है। बाजार खुलते ही ये शेयर 5 फीसदी उछल गया है। शेयर में इस तेजी का कारण है ग्लोबल ब्रोकरेज का डबल अपग्रेड, ब्रोकरेज फर्म यूबीएस ने आयशर मोटर्स की रेटिंग को अपग्रेड किया है। ब्रोकरेज ने शेयर पर रेटिंग को पेचुरल से डबल अपग्रेड कर दिया है। वहीं इसी के साथ टारगेट को 4300 रुपए से बढाकर 5000 रुपए कर दिया है। बता दें कि बीएसई पर शेयर 5 फीसदी की उछाल के साथ 3916 रुपए के पार कारोबार कर रहा है। जबकि मंगलवार को 3718.10 रुपए के भाव पर बंद हुआ था। ब्रोकरेज का अनुमान है कि घरेलू वॉल्यूम ग्रोथ में रायल इनफील्ड

इंडस्ट्री को आउटपरफॉर्म करेगी। इसके तहत वित्त वर्ष -26 में रायल इनफील्ड के घरेलू वॉल्यूम में 10 फीसदी सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है। जबकि इंडस्ट्री की घरेलू वॉल्यूम 6-7 फीसदी सीएजीआर से बढ़ने का अनुमान है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

- ब्रेंट क्रूड 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 87.26 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम कंपनियों ने देशभर में पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। देश में हर दिन 6 बजे ईंधन की नई कीमतें जारी की जाती हैं। सरकारी तेल कंपनियों ने फ्यूल की ताजा कीमत अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर अपडेट कर दी हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.37 फीसदी की गिरावट के साथ 83.16 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 87.26 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। 20 मार्च को देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। वहीं राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

ईवी पॉलिसी को जून तक बढाने को मिली मंजूरी

-लोगों को मिलता रहेगा सब्सिडी का फायदा

नई दिल्ली ।

राज्य की इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी को दिल्ली कैबिनेट ने इस साल जून तक बढा दिया है। सब्सिडी का फायदा लोगों को मिलता रहेगा। दिल्ली की सरकार ने इस पॉलिसी को बढाने के निर्णय को मंजूरी दी है। दिल्ली सरकार ने एक बयान में कहा कि सभी मौजूदा प्रोत्साहन और सब्सिडी बरकरार रहेगी और 1 जनवरी से खरीदा गया कोई भी इलेक्ट्रिक वाहन इस विस्तार के तहत लाभ के लिए पात्र होगा। बयान के मुताबिक, दिल्ली ईवी पॉलिसी को 30 जून तक या दिल्ली ईवी पॉलिसी 2.0 की नोटिफिकेशन तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दिया गया है। ईवी पॉलिसी को आगे बढ़ाने का फैसला कैबिनेट की बैठक में लिया गया। बता दें कि दिल्ली सरकार ने 7 अगस्त 2020 को 3 साल की अवधि के लिए ईवी पॉलिसी की नोटिफिकेशन जारी की थी, जिसे बाद में 31 दिसंबर 2023 तक बढ़ा दिया गया था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि ईवी पॉलिसी के जरिए भारत को ईवी के मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने और टेस्ला समेत विभिन्न वैश्विक ईवी मैन्युफैक्चरर से निवेश आकर्षित करने का प्रयास किया गया है।दिल्ली सरकार ईवी पॉलिसी 2.0 तैयार करने पर काम कर रही है। हाल ही में केंद्र सरकार ने भारत को मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार (15 मार्च) को ईवी पॉलिसी को मंजूरी दे दी जिसमें न्यूनतम 50 करोड़ डॉलर (4,150 करोड़ रुपये) के निवेश के साथ देश में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स स्थापित करने वाली कंपनियों को शुल्क में रियायतें दी जाएंगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को ओलंपिक उद्घाटन समारोह में शामिल होने की अनुमति नहीं : आईओसी

जिनेवा । अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा है कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ी आगामी पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं हो सकेंगे हालांकि इन देशों के खिलाड़ी समारोह को देख सकेंगे। ओलंपिक का उद्घाटन समारोह 26 जुलाई को है जिसमें हजारों खिलाड़ी सीन नदी से एफील टावर की तरफ नावों से आएंगे जबकि आम तौर पर परेड स्टेडियम में होती है। आईओसी ने कहा कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ी नदी से ये उद्घाटन समारोह देख सकेंगे। इन दोनो ही देशों के खिलाड़ियों को टस्थ खिलाड़ियों के तौर पर ओलंपिक में खेलने की अनुमति मिली है और इस दौरान वे अपने देशों के झंडे का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे , इसके अलावा वे सेना या सुरक्षाबलों से जुड़े हुए न हों। वहीं इससे पहले आईओसी ने 28 अगस्त को पेरिस पैरालम्पिक के उद्घाटन समारोह में रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाये जाने की घोषणा की थी। ये प्रतिबंध यूक्रेन के खिलाफ पिछले दो साल से जारी हमलों को देखते हुए लगाया गया है।

हर सत्र के साथ बढ़ रही आईपीएल की लोकप्रियता

अब तक 87 और 22 हैट्रिक बनी

मुम्बई ।

आईपीएल का 17 वां संस्करण 22 मार्च से शुरु होगा। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला च गत विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के बीच होगा। साल 2008 से प्रारंभ हुए इस टूर्नामेंट में प्रशंसकों को रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा। इस कारण हर सत्र के साथ ही इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। आईपीएल के दौरान प्रशंसकों को कई रोमांचक क्षण देखने को मिले हैं। इस टूर्नामेंट में अब तक 87 शतक लगाए जा चुके हैं जबकि 22 हैट्रिक बनी हैं। आरसीबी के विराट कोहली के नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा 7 शतक हैं जबकि सबसे अधिक तीन हैट्रिक लेग स्पिनर अमित मिश्रा के नाम हैं। आईपीएल में दो अवसर ऐसे आए हैं जब किसी एक टीम के ही दो बल्लेबाजों ने पारी में शतक जमाए हैं। इसके अलावा 2017 के सत्र में एक ही दिन में दो गेंदबाज हैट्रिक बनाने में सफल रहे हैं। एक पारी में दो बल्लेबाजों के शतक जमाने का अवसर पहली बार आईपीएल 2016 में आया था जब 14 मई को आरसीबी के एबी डिविलियर्स और विराट कोहली ने गुजरात लायंस के खिलाफ शतक लगाये थे। इससे आरसीबी टीम 20 ओवरों में 3 विकेट पर 248 रन बनाने में सफल रही थी। गुजरात लायंस 18.4 ओवर में 104 पर ही आउट हो गई थी और मैच 144 रन के बड़े अंतर से हार गई थी। आईपीएल की एक पारी में दो बल्लेबाजों के शतक जड़ने का कारनामा आईपीएल 2019 में फिर दोहराया गया जब सनराइजर्स हैदराबाद के डेविड वॉर्नर और जॉनी बेयरस्टे टो ने आरसीबी के खिलाफ शतक लगाये। इस मैच में सनराइजर्स ने 20 ओवरों में दो विकेट पर 231 रन बनाये और फिर आरसीबी को 113 रन पर ही समेट दिया। ये मैच सनराइजर्स टीम 118 रन से जीती थी। एक ही दिन दो हैट्रिक बनने की बात करें तो ऐसा 2017 में सैमुअल बद्री और एंड्रयू टाय ने यह हैट्रिक दर्ज की थीं। हालांकि बद्री की इस हैट्रिक के बावजूद आरसीबी को 4 विकेट की हार का सामना करना पड़ा था 14 अप्रैल को ही राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स और गुजरात लायंस (RPS Vs GL) के अगले मैच में भी हैट्रिक बनी थी। यह हैट्रिक गुजरात लायंस के तेज गेंदबाज एंड्रयू टाय ने बनाई थी। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे टाय ने चार ओवर के स्पैल में 17 रन देकर पांच विकेट लिए थे. पारी के 20वें ओवर की अपनी पहली तीन गेंदों पर उन्होंने अंकित शर्मा, मनोज तिवारी और शार्दुल ठाकुर को आउट कर हैट्रिक पूरी की थी

इसे संयोग ही माना जाएगा कि 14 अप्रैल 2017 को बनी दोनों हैट्रिक का सीक्वेंस एक जैसा रहा। बद्री और टॉय दोनों ने पहले दो विकेट कैच आउट के तौर पर और आखिरी विकेट बोल्ड के तौर पर लिया।

आईपीएल में नाम बदलने वाली टीमों को नहीं मिली विशेष सफलता

मुम्बई ।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले अपना नाम बदलने से ये सवाल उठा है कि क्या इससे आरसीबी की किस्मत बदल जाएगी। इसका जवाब तो इस सत्र में मिल जाएगा। वहीं अगर आईपीएल इतिहास देखा जाये तो अब तक तीन टीमों ने नाम बदला है पर इसके बाद भी उनके प्रदर्शन में कोई विशेष फर्क नहीं आया। आरसीबी से पहले दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद भी अपने नाम बदले हैं। आइए देखें कि इन टीमों ने अपने पहले और बदले हुए नाम के साथ कैसा प्रदर्शन किया.

अब देखना है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू अपना नाम बदलकर ट्रॉफी जीत पाती है या नहीं। आईपीएल में नाम बदलने वाली पहली टीम सनराइजर्स हैदराबाद की थी। यह टीम 2008 से 2012 के बीच डेक्कन चार्जर्स के नाम से उतरी। साल 2008 में इस टीम ने खिताब भी जीता। साल 2013 में डेक्कन चार्जर्स टीम के मालिकाना हक में कुछ बदलाव हुए और टीम का नाम भी बदल गया। डेक्कन चार्जर्स से बदलकर सनराइजर्स हैदराबाद हुई इस टीम ने 2016 में एक बार फिर ट्रॉफी जीती।

दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल में नाम बदलने वाली दूसरी टीम रही। साल 2017 तक यह टीम दिल्ली डेयरडेविल्स के नाम से लीग में उतरती थी। साल 2018 में टीम का नाम बदलकर दिल्ली कैपिटल्स कर दिया गया। नाम बदलने के बाद यह टीम लगातार तीन साल प्लेऑफ में पहुंची है जबकि नाम बदलने से पहले दिल्ली की टीम 10 साल में सिर्फ 3 बार प्लेऑफ पहुंची थी। टीम का सबसे बेहतर प्रदर्शन साल 2020 में आया, जब वह उपविजेता रही।

पंजाब किंग्स आईपीएल में नाम बदलने वाली तीसरी टीम रही। पहले यह टीम किंग्स इलेवन पंजाब के नाम से लीग में उतरती थी। साल 2021 में टीम का नाम बदलकर पंजाब किंग्स कर दिया गया हालांकि, खिताब के मामले में टीम के नाम बदलने से कोई फर्क नहीं पड़ा. ना तो किंग्स इलेवन पंजाब और ना ही पंजाब किंग्स के नाम से यह टीम चैंपियन बन पाई।

अवसर मिला तो भारत ओलंपिक की मेजबानी भी करेगा : खेल मंत्री

नई दिल्ली । खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि भारत ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार है। ठाकुर ने कहा कि भारत ने अब तक ओलंपिक की मेजबानी नहीं की है पर अगर अवसर मिला तो उसका सफल आयोजन किया जाएगा। भारत ने अब तक एक बार ही राष्ट्रमण्डल खेलों का आयोजन साल 2010 में नई दिल्ली में किया था। अब देखना है कि भारत को ओलंपिक की मेजबानी मिल पाती है या नहीं। ठाकुर न कहा कि हम 2030 में यूथ ओलंपिक 2026 में दावेदारी पेश करेंगे। साथ ही कहा कि भारत आने वाले समय में पक्के तौर पर ओलंपिक की मेजबानी करेगा। साथ ही कहा कि साल 2026 तक हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे। हमने ओलंपिक में पिछले कुछ समय से शानदार खेल दिखाया है। पैरालंपिक में सबसे अधिक मैच जीतने के अलावा एशियाई खेलों में भी पदक जीता है। इसके साथ ही अनुराग ठाकुर ने कहा कि वह स्वयं खिलाड़ी रहे हैं। अगर वह नेता नहीं होते तो क्रिकेटर होते। साथ ही कहा कि मैं अब भी क्रिकेट खेलता हूं। दुनिया का सबसे खूबसूरत स्टेडियम भी हमारे यहां धर्मशाला में है।'

आरसीबी आईपीएल में नये नाम, जर्सी और लोगों के साथ उतरेगी

बेंगलुरु ।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) अब आईपीएल के 2024 सत्र में नये नाम , जर्सी और लोगों के साथ उतरेगी। एक कार्यक्रम में विराट कोहली, फाफ डू प्लेसी और महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने आरसीबी के नए नाम, लोगो और जर्सी का अनावरण किया। फाफ डू प्लेसी की कप्तानी में उतरने जा रही आरसीबी की टीम अब नाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के नाम से जानी जाएगी। आरसीबी इस लीग में नाम बदलने वाली तीसरी टीम है। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स की टीमों ने भी अपने नाम बदले थे। हालांकि, नाम बदलने के बाद भी ये टीम जीत हासिल नहीं कर पायीं थीं। अब देखना है कि आरसीबी के लिए नया नाम कितना फायदेमंद रहता है। आरसीबी की टीम उन 8 टीमों में से एक हैं, जो आईपीएल के पहले सीजन से खेल रही हैं। 16 साल के आईपीएल के अपने सफर में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम तीन बार फाइनल में पहुंची थी पर एक बार भी जीत दर्ज नहीं कर पायी।

कोहली ने सबसे अधिक 143 मैचों में आरसीबी की कप्तानी की है। उन्होंने दो बार टीम को फाइनल में पहुंचाया पर ट्रॉफी नहीं जीत पाये। वहीं फाफ डू प्लेसी लगातार तीसरे सीजन में आरसीबी की कप्तानी करेंगे। उनकी कप्तानी में आरसीबी ने 27 मैच खेले हैं, जिनमें से उसे 14 में ही जीत मिली है। मंधाना की कप्तानी में आरसीबी ने महिला प्रीमियर लीग खिताब जीता है।

संक्षिप्त समाचार

धोनी मजबूत मानसिकता के कारण ही इतने सफल हैं : सिद्धू

मुंबई । भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक असाधारण क्षमताओं वाला व्यक्ति बताया है। सिद्धू ने कहा कि इसी कारण ही वह इसते सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि अब वह राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नियमित रूप से नहीं खेलते हैं पर 42 साल की उम्र में भी आईपीएल खेल रहे हैं। इसमें उनकी सफलता का कारण उनकी मजबूत मानसिकता है जिससे क्रिकेट से बाहर होने ओर उसमें वापसी की उनकी क्षमता बढ़ती है। इसी कारण ही वह शीघ्र लय हासिल कर लेते हैं। सिद्धू ने , यह वास्तव में एक चमत्कार है जो धोनी ने किया है। एक बार जब आप चीजों के उतार-चढ़ाव में नहीं होते, तो आप हार जाते हैं। वहीं आप धोनी को देखिए, वह कितने सालों से चीजों के चक्कर में नहीं हैं और वह ऐसे आते हैं जैसे कुछ हुआ ही नहीं है, वह नियम का अपवाद है। इसलिए यह उनकी महानता और उनकी मानसिक दृढ़ता को बढ़ाता है। सिद्धू ने कहा, वह मानसिक रूप से बहुत मजबूत है और इससे भी अधिक वह 42 साल की उम्र में बेहद फिट दिखता है। वह एक विशेषज्ञ है जो अंत में भी एक चट्टान की तरह खड़ा है और हेलीकॉप्टर शॉट खेलता है।

मुम्बई इंडियंस को एक और झटका सूर्यकुमार भी पहले मैच से बाहर हुए

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस को आईपीएल 2024 शुरु होने से पहले ही एक और झटका लगा है। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी अब शुरुआती मैच में नहीं उतरेंगे। सूर्यकुमार को नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) से फिटनेस जांच में खेलने की मंजूरी नहीं मिली है। इससे टीम के नये कप्तान हार्दिक पंड्या की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सूर्याकुमार की एक और फिटनेस जांच अब 21 मार्च को होगी। मुंबई को अपना पहला मैच गुजरात टाइटंस के खिलाफ 24 मार्च को खेलना है। इसमें अब ऑस्ट्रेलिया के जेसन बेहरनडॉर्फ के अलावा श्रीलंकाई क्रिकेटर दिलशान मधुशंका भी नहीं खेलेंगे। ये दोनो भी अभी तक अपनी चोट से नहीं उबरे हैं। मुंबई इंडियंस ने बेहरनडॉर्फ की जगह इंग्लैंड के ल्यूक वुड को विकेल्प के तौर पर रखा है। अब देखना है सूर्या और मधुशंका की जगह किसे अवसर मिलता है।

रिंकू ने आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे गेंदबाज पर लगाया छक्का

कोलकाता ।

आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 सत्र के लिए हुए अभ्यास मैचों के दौरान अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सबसे महंगे गेंदबाज मिशेल स्टार्क को भी नहीं छोड़ा। रिंकू ने 24.75 करोड़ी में खरीदे गये ऑस्ट्रेलियाई बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क पर एक लंबा छक्का लगाया है। करीब एक दशक के बाद आईपीएल सर्कस में वापसी करने वाले स्टार्क इससे हैरान रह गय। ईडन गार्डंस में कोलकाता नाइटराइडर्स के दूसरे वॉर्म-अप मैच के दौरान डेथ ओवर में स्टार्क के सामने रिंकू आ गये। रिंकू ने विश्व के शीर्ष गेंदबाजों में शामिल स्टार्क पर ऐसा शॉट लगाया कि वह हैरत में पड़ गये।अंतिम बार 2014 और 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल खेलने वाले स्टार्क को आईपीएल 2018 से पहले केकेआर ने खरीदा था पर चोट के कारण वह उस सत्र से बाहर हो गए थे। इसके बाद केकेआर ने इस साल नीलामी रिकॉर्ड तोड़ते हुए उन्हें 24.75 करोड़ रुपये की कीमत पर खरीदा। आईपीएल को लेकर स्टार्क ने कहा था, यह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टी20 लीग है तो यह हमेशा एक तरह का सर्कस जैसा होता है। यह निश्चित रूप से एक नई चुनौती है। हां, यह रोमांचक होने वाला है। मैं इसके लिए रोमांचित हूं। अब जब स्टार्क ने नई गेंद से पूरी गति से गेंदबाजी की तो बात बनते नजर नहीं आई। हालांकि, स्टार्क ने अफगान बल्लेबाज गुरबाज को उछाल से परेशान किया और फिर उन्हें

आउट किया। इस तरह एक ओवर में एक रन देकर एक विकेट उनके पास था। बाद में रिंकू सिंह और मनीष पांडे के सामने डेथ ओवर्स में उन्हें गेंद थमाई गई। यहां ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने अंतिम ओवर में 20 रन दे दिये। इस दौरान रिंकू ने आखिरी ओवर में मिडविकेट पर छक्का लगाकर शुरुआत की, लेकिन स्टार्क ने यॉर्कर पर गलती की और फुलटॉस फेंक बैठे। इसके बाद रिंकू ने गेंद को छक्के के लिए भेजने में गलती नहीं की।

हसरंगा संन्यास से वापसी करते ही दो मैचों से निलंबित हुए

ढ़ाका । श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा संन्यास से वापसी के बाद भी अगले दो मैच नहीं खेल पायेंगे। इसका कारण ये है कि उन्हें अंपायर ने खराब व्यवहार के लिए निलंबित कर दिया है। हसरंगा को श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने टीम की गेंदबाजी बेहतर करने के लिए संन्यास से वापसी के बाद तत्काल टीम में शामिल किया था पर उनके निलंबित होने से उसे झटका लगा है। अंपायर ने इस क्रिकेटर को दो मैचों से निलंबित कर दिया है। श्रीलंका को मेजबान बांग्लादेश के हाथों एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा है। श्रीलंका ने इस हार के बाद टेस्ट टीम के लिए इस स्पिनर को शामिल किया। इस क्रिकेटर ने हाल ही में सीमित ओवरों के क्रिकेट पर ध्यान देने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। हसरंगा पर बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में अंपायर से बदतमीजी करने के आरोप में आधी मैच फीस काट ली गई और तीन नकारात्मक अंक दिया गया। इस तरह हसरंगा के एक साल के भीतर 8 नकारात्मक अंक हो गए। आईसीसी के नियम के मुताबिक अगर किसी खिलाड़ी के एक साल के भीतर 8 नकारात्मक अंक हो जाते हैं तो वह स्वयं ही 2 टेस्ट या 4 एकदिवसीय या 4 टी20 मैच के लिए निलंबित हो जाता है। . हसरंगा के पास सजा के खिलाफ अपील करने का विकल्प खुला है। अगर आईसीसी हसरंगा की अपील ठुकरा देती है तो इसका मतलब यह होगा कि वे टेस्ट सीरीज नहीं खेल पाएंगे। वहीं अगर हसरंगा श्रीलंका-बांग्लादेश सीरीज में नहीं खेलते हैं तो आईपीएल में अपनी टीम सनराइजर्स हैदराबाद से खेल सकते हैं।

सीए के टी20 सीरीज स्थगित करने पर एसीबी ने निराशा जतायी

काबुल । अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के टी20 सीरीज स्थागित करने पर निराशा जतायी है। इससे पहले सीए ने अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों से भेदभाव के कारण दोनो के बीच तय सीरीज स्थगित कर दी थी। वहीं अब एसीबी ने कहा, एसीबी एक और द्विपक्षीय सीरीज को स्थगित करने के सीए के फैसले पर निराशा व्यक्त करता है। वह दुनिया भर में तटस्थ और राजनीति-मुक्त क्रिकेट पर अपना रुख दोहराता है। एसीबी अफगानिस्तान में खेल के महत्व और अफगान राष्ट्र की खुशी को देखते हुए क्रिकेट को राजनीतिक प्रभाव से अलग रखने का भी अनुरोध करता है। एसीबी ने यह भी कहा कि वे सीए पर पड़ रहे दबाव को समझते हैं, साथ ही ऑस्ट्रेलियाई सरकार से क्रिकेट बोर्डों पर अपनी नीतियां नहीं थोपने और क्रिकेट के विकास के समर्थन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा है। एसीबी ने कहा, एसीबी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पर ऑस्ट्रेलियाई सरकार के दबाव को स्वीकार करता है और दोनों क्रिकेट बोर्डों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों के जरिये ऐसे मुद्दों को संबोधित करने के महत्व पर जोर देता है। एसीबी ऑस्ट्रेलियाई सरकार से अपनी नीतियों को क्रिकेट बोर्डों पर थोपने के बजाय सभी क्षेत्रों में क्रिकेट के विकास का समर्थन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करता है।

विराट को इस बार आरसीबी के आईपीएल ट्रॉफी जीतने की उम्मीद

बेंगलुरु ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को उम्मीद है कि जिस प्रकार आरसीबी की महिला टीम ने पहली बार खिताब जीता है। वैसी ही उपलब्धि इस बार आरसीबी की पुरुष टीम को भी मिलेगी। विराट का मानना है कि उनकी टीम 22 मार्च से शुरू होने वाले आगामी चरण में ट्रॉफी हासिल करेगी। वहीं स्मृति मंधाना की कप्तानी में आरसीबी की टीम ने इस बार महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) खिताब जीता है जिससे विराट उत्साहित है। उनका मानना है कि इस बार पुरुष टीम का भी पिछले 16 साल से खिताब जीतने का इंतजार समाप्त होगा।

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक कार्यक्रम के दौरान ने कहा कि महिला टीम का ट्राफी जीतना शानदार अहसास था। जब उन्होंने यह (डब्ल्यूपीएल) खिताब जीता तो हम देख रहे थे। उम्मीद है कि हम भी जीत कर ट्रॉफियों को दोगुना करेंगे जो एक विशेष अवसर होगा। इस साल आईपीएल से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का नाम आधिकारिक तौर पर 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु कर दिया गया है जो शहर की परंपरा के सम्मान का प्रतीक है। कोहली का यह आईपीएल 2024 में आरसीबी के साथ 17वां चरण होगा।

उन्होंने कहा कि वह इस साल आईपीएल ट्रॉफी जीतने के सपने को वास्तविकता में बदलने के लिए अपने कौशल और अनुभव पर निर्भर होंगे। उन्होंने कहा कि यह जानना मेरा सपना है कि आईपीएल ट्रॉफी जीतने का अहसास कैसा होता है। मैं उस टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं जो पहली बार ट्रॉफी जीतेगी।

आरसीबी के पूर्व कप्तान ने कहा कि मैं अपनी काबिलियत और अपने अनुभव के साथ प्रशंसकों और फ्रेंचाइजी के लिए ऐसा करने की पूरी कोशिश करूंगा। आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कोहली ने कहा कि आरसीबी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अटूट रहेगी।

मुझे किंग न कहें प्रशंसक - विराट

बेंगलुरु । अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने प्रशंसकों से कहा है कि उन्हें किंग न कहें। विराट ने स्टेडियम में एकत्रित प्रशंसकों से कहा कि उन्हें इससे शर्मिंदगी होती है। इसके बाद प्रशंसकों ने कोहली-कोहली के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस दौरान विराट ने कहा कि क्रिकेट के मैदान पर वापसी से उन्हें अच्छा लग रहा है। उत्साहित कोहली ने प्रशंसकों से मजाकिया लहजे में कहा कि मुझे बात करने दीजिए। दोस्तों, हमें आज रात चेन्नई जाना है, हमारे पास एक चार्टर्ड फ्लाइट है इसलिए हमारे पास समय नहीं है। कोहली ने कहा कि सबसे पहले, आप मुझे किंग बोलना बंद करेंद्य। मुझे विराट कहकर ही बुलाएं। मुझे किंग नाम से मत बुलाएं, मैं फाफ डु प्लेसिस से भी कह रहा था कि जब आप मुझे इस शब्द से बुलाते हैं तो मुझे हर बार अजीब सा लगता है। इसलिए मुझे केवल विराट कहकर बुलाएं, अब से उस शब्द का इस्तेमाल न करें, यह मेरे लिए बहुत शर्मनाक है। विराट ने इससे पहले भी कई बार गया है कि उन्हें किंग न कहें। पिछले साल आरसीबी के शो में उन्होंने कहा था कि भले ही यह सुंदर शब्द है। मैं जानता हूं कि प्रशंसक ऐसा क्यों कह रहे हैं पर मुझे यह पसंद नहीं है। मुझे अपने ही नाम से बुलाया जाना पसंद है, विराट। उन्होंने कहा कि लोग प्यार से मुझे किंग कहते हैं परमैं निजी तौर पर इसे पसंद नहीं करता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के हृदय स्थल मध्यप्रदेश में पर्यटन के ऐसे बहुत से स्थल है जहां देश विदेश के असंख्य सैलानी इन्हें देखने आते हैं। धार्मिक महत्व के अलावा पुरातात्विक महत्व के इन स्थलों में कान्हा किसली, महेष्वर खजुराहो, भोजपुर, ओंकारेश्वर, सांची, पचमढ़ी, भीमबेटका, चित्रकूट, मैहर, भोपाल, बांधवगढ़, उज्जैन, आदि उल्लेखनीय स्थल हैं।

ताल तलैयों से घिरा

भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी होने के साथ ही ताल-तलैयों के कारण पर्यटन के क्षेत्र में अपना अलग ही स्थान रखता हैं। राजा भोज द्वारा बनवाया गया बड़ा तालाब, लक्ष्मीनारायण मंदिर, झिरनो मंदिर, गुफा मंदिर, मनुआभान की टेकरी, केहरी महादेव मंदिर, सेन्ट्रल लायब्रेरी, प्राचीन दरवाजे, एशिया की सबसे बड़ी ताजुल मस्जिद, जामा मस्जिद, मोती मस्जिद, कर्फ्यू वाली देवी का मंदिर, काली मंदिर, सदर मंजिल, गौहर महल, कमला पार्क, किलोल, वर्धमान पार्क, सन सेट, वन बिहार, केरवा, कलियासोत, हलाली डेम, मयूर पार्क, बीएचईएल, आदि देखने लायक स्थल हैं। भोपाल नए एवं पुराने शहर के नाम से भी जाना जाता हैं। देश के सभी स्थानों से भोपाल वायुयान, रेल अथवा सड़क मार्ग द्वारा पहुंचा जा सकता हैं। यहां रुकने के पर्याप्त इंतजाम है।

बड़े तालाब के मध्य एक दरगाह भी स्थित हैं। जहां वोट क्लब से अथवा शीतलदास की बगिया स्थित घाट से नाव द्वारा नौका बिहार भी किया जा सकता हैं। यहां उपनगर के बैरसिया में तरावली स्थित हरसिद्धी का मंदिर भी है जिसके बारे में उक्ति है कि राजा विक्रमादित्य द्वारा बनारस से उज्जैन ले जाते समय देवी की शर्त के अनुसार रातभर में वह उज्जैन नहीं ले जा सके और देवी वहीं रूक गई जहां आज मंदिर स्थापित हैं। एक अन्य उपनगर के रूम में कोलार भी बहुत तेजी से विकसित होकर राजधानी का मुख्य केन्द्र बनने लगा हैं।

मध्यप्रदेश की राजधानी का नाम सुनते ही यहां की गौरव ताल-तलैयों, शैल-शिखरों की याद आना लाजिमी हैं। जहां भोपाल ने राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट हाकी सहित देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद तक पर अपनी छाप छोड़ी वहीं राष्ट्रीय उद्यानों के क्षेत्र में भी किसी से कम नहीं हैं। यहां बना नेशनल पार्क को थ्री-इन-वन कहना कोई अतिश्योक्तिपूर्ण नहीं होगा।

ऐसा सुन्दर उद्यान नेशनल पार्क होने के साथ-साथ चिड़िया घर (जू) तथा जंगली जानवरों का बचाव केन्द्र भी है। 445 हैक्टेयर में फैले इस नेशनल पार्क में मिलने वाले जानवरों को जंगल से पकड़कर नहीं लाया गया हैं। यहां जो जानवर हैं वे लावारिस, कमजोर, रोगी, घायल या बूढ़े थे अथवा जंगलों से भटककर ग्रामीण शहरी क्षेत्रों में आ गये थे तथा उनका बाद में आशियाना यहां बनाया गया।

अन्य संग्रहालयों या फिर सर्कसों से भी कुछ जानवर यहा लाए गए हैं। लगभग पॉच किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस राष्ट्रीय उद्यान का मुख्य द्वार मुख्यमंत्री निवास के निकट से होकर भदभदा की ओर जाता हैं। उद्यान के चारों ओर हरियाली बरबस ही पर्यटकों को अपनी ओर खींच लेती हैं। शैल-शिखरों से घीरे उक्त उद्यान के पास ही परमारवंशीय राजा भोज द्वारा निंमित भोपाल का बड़ा तालाब है जिसके बारे में उक्ति है कि तालों में भोपाल ताल बाकी सब तलैया, रानियों में कमलाबती बाकी सब.....प्रचलन में हैं।

वनबिहार के नाम से ख्यात उक्त उद्यान के आसपास सांस्कृतिक कला का केन्द्र भारत भवन, वोट क्लब, मानव संग्रहालय, कमला पार्क, केरवा डेम, कमला पार्क, दूरदर्शन सहित अनेक ऐसे स्थानों से घिरा हुआ भोपाल नेषनल पार्क को राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा 18 जनवरी 1983 में प्राप्त हुआ था। यूं तो प्रदेश के ग्वालियर, इंदौर में भी स्माल चिड़ियाघर हैं जिनकी देखरेख नगर निगमों द्वारा की जाती हैं।

भोपाल नेशनल पार्क में प्रवेश करने से पूर्व यह अनुभव भी नहीं कर सकते की आप किसी जंगल की सैर करने जा रहे हैं। रामू गेट से चीकू गेट तक की लगभग पाच किलोमीटर की दूरी आप ऐसे तय करेंगे कि आपको अहसास ही नहीं होगा कि आप किसी ऐसे अद्भुत स्थल की सैर कर रहे हैं जहां एक ओर जंगली जानवरों भालू, शेर, हिमालयी भालू, तेंदुए और बाघ के बाड़े आते हैं तो दूसरी ओर तालाब से आ रही ठंडी हवाएं और जल की तरंगे मनोहारी लगती है कि आप भोपाल नेशनल उद्यान को अंतिम समय तक भूल नहीं सकते। गर्मी के दिनों में प्रवासी पक्षी भी इसी जगह पर आकर सुकून का अनुभव करते हैं।

यहॉ कि विषेषता यह है कि आप पैदल ही पाच किलोमीटर का दायरा कैफे का स्वादिष्ट भोजन, नस्ता करते हुए समझ ही नहीं सकते की आपने आने जाने में इतनी अधिक दूरी कैसे तय कर ली।

भोपाल वनविहार तक पहुंचने के लिए देश के लगभग सभी स्थानों से हवाई, रेल एवं बस सेवा उपलब्ध हैं। यहीं से टेक्सियों के द्वारा, पैदल अथवा साईकिल से आप वन विहार के मनमोहक दृष्य को अपने जेहन में बिठा सकते हैं। यहा का बिड़ला मंदिर, गुफा मंदिर, कर्फ्यू वाली माता का मंदिर, कालीघाट, मनुआभान की टेकरी, एशिया की सबसे बड़ी ताजुल मस्जिद, गंगा-जमुनी तहजीब की प्रतीक जामा मस्जिद, प्राचीन कमला पार्क, छोटा तालाब, मोतिया तालाब, ताजमहल, लोकप्रियता के शिखर पर अपनी अलग ही छाप छोड़ते हैं। लेकिन भोपाल का श्मशान घाट भी (मृत्यु का अंतिम पड़ाव स्थल) किसी पर्यटन स्थल से कम नहीं हैं। ताजुल मस्जिद में प्रतिवर्ष लगने वाले इज्तिमा जिसमें विश्व के सभी देशों से लोग आकर सम्मिलित होते हैं।

भोपाल के आसपास के लगभग सौ किलोमीटर क्षेत्रों में सलकनपुर, भोजपुर, तरावली, सीहोर के सिद्ध गणेष, सांची, होशंगाबाद, रायेसन मार्ग पर स्थित कंकाली देवी का मंदिर (जो देश में एकमात्र कृष्ण मुद्रा काली का मंदिर हैं), केहरी महादेव अर्थात शेरोवाले महादेव सहित कदम-कदम पर ऐसे स्थल विकसित है कि आप की भोपाल से जाने की इच्छा ही नहीं होगी।

भोपाल का पान खाना नहीं भूलें क्योंकि यह अपनी विशिष्टता के लिए देष में अपना स्थान रखता हैं। विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक गैस त्रासदी झेल चुके इस शहर के बारे में कहा जा सकता है कि 'सारे पर्यटन बार-बार भोपाल पर्यटन एकबार।' आपको यहां पर रुकने को विवश कर देगा। यहा की हिन्दू-मुस्लिम तहजीब देखते ही बनती हैं।

यहां पहुंचने के लिए आवगमन के अनेक साधन उपलब्ध है। यहां देश के किसी भी कोने से हवाई या रेलमार्ग द्वारा भोपाल पहुंच सकते हैं। भोपाल से होषंगाबाद रोड, या मंडीदीप की बस में बैठकर भोजपुर उतरें। एवं वहां से मंदिर पैदल चलें। मंदिर की 5 किलोमीटर परिधि में ठहरने का कोई स्थान नहीं हैं अतः भोपाल ही ठहरने के लिए उपयुक्त स्थान है। भोपाल-होशंगाबाद रोड पर स्थित उक्त स्थल पर आवागमन 24 घण्टे उपलब्ध रहता हैं।

कनाडा पर गहराया मंदी का साया, सरकारी आंकड़ों में इकॉनमी मजबूत

टोरंटो। ब्रिटेन सहित दुनिया के कई देश इनदिनों मंदी की चपेट में हैं। जापान बाल-बाल इस मंदी से बचा है, लेकिन अब कनाडा के मंदी में फंसने का खतरा पैदा हो गया है। देश में बैंकरप्सी के लिए आवेदन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। केवल जनवरी में ही 800 से अधिक कंपनियों ने बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया। इससे पहले 2023 में देश में बैंकरप्सी फाइलिंग में करीब 40 फीसदी की तेजी देखने को मिली। अभी जितनी कंपनियां बैंकरप्सी के लिए आवेदन कर रही हैं, वह संख्या 13 साल में सबसे ज्यादा है। कोरोना काल के दौरान कंपनियों को 45,000 डॉलर का ब्याज मुक्त लोन दिया गया था, इस चुकाने की डेडलाइन जनवरी 2024 में खत्म हुई थी। कनाडा की जीडीपी में छोटी कंपनियों की करीब 33 फीसदी हिस्सेदारी है। कनाडा के सरकारी आंकड़ों की मानें तब देश की इकॉनमी मजबूत बनी हुई है। लेकिन छोटी कंपनियों और कई कंज्यूमर्स को संघर्ष करना पड़ रहा है। दिसंबर में कनाडा की इकॉनमी के 0.3 फीसदी बढ़ने की संभावना है। इस तरह चौथी तिमाही में इसमें 1.2 फीसदी की तेजी की संभावना है। तीसरी तिमाही में देश की जीडीपी में 1.1 फीसदी गिरावट रही थी। लगातार दो तिमाहियों में गिरावट को मंदी कहा जाता है। कनाडा के राष्ट्रपति जस्टिन ट्रूडो ने पिछले साल भारत से पंगा लिया था। ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ बताया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था। वर्तमान में ब्रिटेन सहित दुनिया के आठ देश मंदी में फंसे हैं। इसमें ब्रिटेन के अलावा डेनमार्क, एस्तोनिया, फिनलैंड, लक्जमबर्ग, मोल्दोवा, पेरू और आयरलैंड शामिल हैं। दिलचस्प बात है कि इनमें से छह देश यूरोप के हैं। इस लिस्ट में अफ्रीका और नॉर्थ अमेरिका का कोई देश नहीं है। जापान मंदी से बाल-बाल बचा है। कई और देशों पर भी मंदी का खतरा मंडरा रहा है। इनमें जर्मनी भी शामिल है। यूरोप की यह सबसे बड़ी इकॉनमी कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। चीन में हालात भी लगातार खराब होते जा रहे हैं।

चीन में सामने आया अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय घोटाला

बीजिंग। चीन में अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय घोटाला सामने आया है। देश के रेगुलेटर्स ने दिवालिया हो चुकी रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रेंड और उसके फाउंडर पर रेवेन्यू को 78 अरब डॉलर बढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया है। बता दें कि चीन के इतिहास में इस अब तक का सबसे बड़ा घोटाला माना जा रहा है। एवरग्रेंड दुनिया में सबसे ज्यादा कर्ज में डूबी कंपनी है। इस पर 300 अरब डॉलर से ज्यादा कर्ज है। 2021 में कंपनी ने कर्ज के भुगतान में डिफॉल्ट किया था जिसके बाद चीन में रियल एस्टेट का संकट खड़ा हो गया। चीन की इकॉनमी में रियल एस्टेट की हिस्सेदारी करीब 30 फीसदी है। इससे पूरी इकॉनमी के डूबने का खतरा पैदा हो गया है। चीन के सिक्योरिटीज रेगुलेटरी कमीशन ने एवरग्रेंड ग्रुप की प्रमुख कंपनी हेंगदा रियल एस्टेट पर 58 करोड़ डॉलर का जुर्माना ठोक दिया है। एवरग्रेंड ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन जू जीयन पर 65 लाख डॉलर की पेनल्टी लगा दी है। उन पर कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड को बढ़ाचढ़ाकर दिखाने और नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। कभी चीन के सबसे बड़े रईस रहे जू जीयन को हमेशा के लिए सिक्योरिटीज मार्केट से प्रतिबंधित किया गया है। आयोग ने करीब आठ महीने तक चली जांच के बाद एवरग्रेंड की करतूतों को उजागर किया है। जनवरी में हॉन्ग कॉन्ग के एक कोर्ट ने एवरग्रेंड को बेचने का ऑर्डर दिया था। कंपनी पर अपनी वित्तीय रिपोर्ट्स में सेल्स को बढ़ाचढ़ाकर दिखाने का आरोप है। इस आधार पर कंपनी ने अपने बॉन्ड ब्रिकी किए थे। रेगुलेटर के मुताबिक हेंगदा ने 2019 में 30 अरब डॉलर की सेल दिखाई थी जो उसके रेवेन्यू का करीब आधी थी। इसी तरह कंपनी ने 2020 में 48.6 अरब डॉलर की सेल दिखाई थी जो उसके रेवेन्यू का 78 प्रतिशत थी। लेकिन जांच में पता चला कि कंपनी ने आंकड़ों को बढ़ाचढ़ाकर पेश किया था।

प्राइमरी चुनाव में बाइडन-ट्रंप ने कई राज्यों में की जीत दर्ज

वाशिंगटन। ओहायो, इलिनोइस, कंसास, फ्लोरिडा और एरिजोना में रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव हुए। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की। कंसास, ओहायो, इलिनोइस और एरिजोना में हुए चुनाव में जो बाइडन 80 फीसदी से ज्यादा मत पाकर विजयी रहे हैं। अभी तक आए नतीजों के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने एरिजोना, फ्लोरिडा में जीत दर्ज कर ली है। वहीं अन्य राज्यों में भी उनकी जीत तय है। डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से जो बाइडन उम्मीदवार हैं। वहीं रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद के दावेदार हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने गृह राज्य फ्लोरिडा में प्राइमरी चुनाव के लिए मतदान किया। मतदान के बाद ट्रंप ने कहा कि मैंने डोनाल्ड ट्रंप के लिए वोट किया है। राष्ट्रपति चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहे हैं। ट्रंप और बाइडन का प्रचार भी तेज हो रहा है। इसी के तहत बाइडन ने मंगलवार को नेवादा और एरिजोना का दौरा किया। इन दोनों राज्यों में पिछले राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बाइडन और ट्रंप में करीबी मुकाबला हुआ था। ऐसे में दोनों नेता कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप, दोनों ही एक दूसरे पर तीखे हमले कर रहे हैं। जो बाइडन ने जहां डोनाल्ड ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया है, वहीं ट्रंप ने जो बाइडन को मानसिक रूप से अनफिट बताया।

केट का मेडिकल रिकॉर्ड चुराने का प्रयास, जांच के आदेश

लंदन। ब्रिटेन के प्रिंस विलियम की पत्नी केट मिडलटन सर्जरी के बाद से सार्वजनिक तौर पर दिखाई नहीं दी हैं। हाल ही में मीडिया में उनकी एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें वह अपने पति के साथ दिखाई दी। अफवाहों के बीच खबर आई है केट के मेडिकल रिकॉर्ड चुराने की कोशिश की गई है। मामला राजघराने से जुड़ा होने के कारण घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। केट मिडलटन के मेडिकल रिकॉर्ड चुराने के आरोप में अस्पताल के कर्मचारी पर ही आरोप लगे हैं। घटना के तुरंत बाद अस्पताल प्रशासन ने केनसिंग्टन पैलेस को इसकी जानकारी दी और कहा कि इसकी जांच की जाएगी। ब्रिटिश राजघराने के सदस्यों का इलाज लंदन के इसी अस्पताल में होता है। रिकॉर्ड की चोरी की कोशिश के खुलासे से अस्पताल की छवि को बड़ा झटका लगा है। ब्रिटेन की डाटा प्रोटेक्शन एंड प्राइवेसी अथॉरिटी ने भी घटना की पुष्टि की है। गौरतलब है कि बीते कई दिनों से केट मिडलटन की सेहत को लेकर तरह तरह की चर्चाएं चल रही हैं। दरअसल जनवरी में केट की सर्जरी हुई थी और उसके बाद से ही वह सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखाई नहीं दे रही थीं। अब ब्रिटिश मीडिया में केट मिडलटन की ताजा तस्वीर सामने आई है, जिसमें केट अपने पति प्रिंस विलियम के साथ लंदन की एक शॉप से खरीददारी करती दिखाई दीं। इससे केट की सेहत को लेकर चल रहीं अफवाहों पर लगाम लग गई।

ब्रिटेन के शाही परिवार में फिर उड़ी अफेयर की चर्चा

लंदन। आजकल सोशल मीडिया पर ब्रिटेन के शाही परिवार प्रिंस विलियम और ब्रिटिश मॉडल सारा रोज हैनबरी के अफेयर को लेकर चर्चा जोरों पर है। दरअसल, जनवरी में पेट की सर्जरी के बाद प्रिंस विलियम की पत्नी और वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन लगातार ब्रिटिश शाही परिवार के साथ नजर नहीं आ रहीं। केट मिडलटन तब भी चर्चा में आ गईं थी, जब शाही परिवार ने मदर्स डे पर एक फोटो जारी की थी। आरोप लगे थे कि इस फोटो को एडिट कर हेरफेर किया गया है। बाद में केट ने इसके लिए माफी भी मांगी थी। अफेयर की चर्चाओं को तब हवा मिली थी, जब द लेट शो विद स्टीफन कोलबर्ट में केट मिडलटन की अनुपस्थिति को लेकर कोलबर्ट ने कहा कि यह घटना प्रिंस विलियम के अफेयर से जुड़ी हो सकती है। अफेयर के आरोपों पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कोलबर्ट ने कहा था, जब आपकी पत्नी आप पर धोखा देने का आरोप लगाती है तो यह अच्छा है। मेरा दिल बेचारी केट के लिए दुखता है। चर्चाओं के बीच कहा जा रहा था कि केट मिडलटन विंडसर में अपनी पसंदीदा शॉप पर देखीं गईं। बता दें कि सारा रोज हैनबरी प्रिंस विलियम के साथ-साथ केट मिडलटन की भी करीबी दोस्त हैं। हालांकि, जब सोशल मीडिया पर प्रिंस विलियम और हैनबरी के अफवाह की चर्चाएं शुरू हुईं तो सारा ने अपनी चुप्पी तोड़ी। सारा ने कहा कि यह सारी बातें अफवाह हैं। बता दें कि शाही परिवार से हैनबरी के परिवार का जुड़ाव पीढ़ियों से है। एक रिपोर्ट के मुताबिक उनकी दादी, लेडी एलिजाबेथ लैम्बर्ट ने 1947 में महारानी एलिजाबेथ और प्रिंस फिलिप की शादी में दुल्हन की सहेलियों का किरदार अदा किया था।

केनबरा में फ्री ईस्ट तुर्किस्तानन समर्थक एक रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

हमास के खात्मे के लिए राफा में ग्राउंड ऑपरेशन जरुरी : नेतन्याहू

तेल अवीव,(ईएमएस)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फिर दोहराया है कि राफा में ग्राउंड ऑपरेशन के अलावा हमास को खत्म करने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। नेतन्याहू ने कहा, मैंने अपनी बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से यह स्पष्ट कर दिया कि हम राफा में हमास की बची हुई बटालियनों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने मंगलवार को विदेश और रक्षा मामलों की समिति को बताया, राफा में ग्राउंड ऑपरेशन के बारे में अमेरिकियों के साथ हमारी असहमति है। हमास को खत्म करने की जरूरत के बारे में नहीं, राफा में प्रवेश करने की जरूरत के बारे में असहमति है। बता दें कि अमेरिका राफा में इजरायल के ग्राउंड ऑपरेशन को अंजाम देने के खिलाफ है। अमेरिका मानना है कि इससे गाजा में मानवीय संकट और बढ़ेगा, राफा, गाजा के सबसे दक्षिणी छोर पर मिस्र की सीमा से सटा हुआ इलाका है।

दोस्त बुलाए तो जाना पड़ता है...

चुनावी प्रचार छोड़कर अचानक चीन के पड़ोस में पहुंच रहे मोदी, स्वागत में लग गए पोस्टर

मॉस्को (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। राजनीतिक दलों की ओर से प्रचार का दौर भी शुरू हो चुकी है। बीजेपी की तरफ से प्रचार अभियान की कमान खुद प्रधानमंत्री मोदी ने उठा रखी है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक धुआंधार रोड शो और जनसभाओं के जरिए पीएम मोदी अबकी बार 400 पार का नारा लगाते और जनता को एक बार फिर से एनडीए को चुनने की अपील करते नजर आ रहे हैं। लेकिन चुनाव प्रचार के बीच पीएम मोदी अचानक चीन के पड़ोस में जाने वाले हैं। पीएम मोदी का दो दिना का दौरा रहने वाला है।

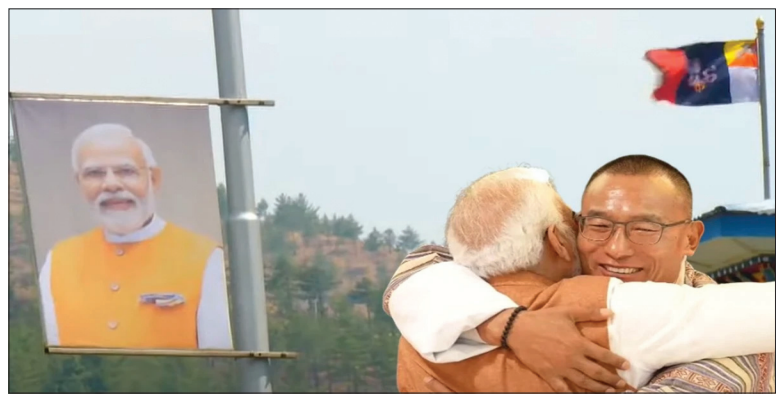

स्वागत की जबरदस्त तैयारी

पड़ोसी पहले नीति के तहत पीएम मोदी का ये दौरा है। पीएम मोदी के दौरे को लेकर भूटान में जबरदस्त तैयारी की गई है। भूटान के पीएम इसी हफ्ते भारत आए थे। अपनी मुलाकात के बारे में बताते हुए टोबगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना बड़ा भाई कहा था। इसके बाद पीएम मोदी ने न्यौता भी स्वीकार किया था। पीएम की यात्रा से पहले भूटान के पारो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के वीडियो सामने आया है। जिसमें पीएम मोदी के स्वागत के लिए खूबसूरत तरीके से सजाया गया है। अब भूटान के दो दिन के दौरे पर पीएम रहने वाले हैं। पीएम मोदी 21 मार्च यानी गुरुवार के दिन रवाना होंगे।

पड़ोसी प्रथम नीति पर जोर

मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि यह यात्रा भारत और भूटान के बीच नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा और सरकार की पड़ोसी प्रथम नीति पर जोर देने के अनुरूप है। अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक, भूटान के राजा और पूर्व राजा जिग्मे सिंग्ये वांगचुक से मुलाकात करेंगे। बयान में कहा गया है कि मोदी भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे के साथ द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मामलों पर भी चर्चा करेंगे। भारत और भूटान एक अनोखी और स्थायी साझेदारी साझा करते हैं जो आपसी विश्वास, समझ और सद्भावना पर आधारित है। हमारी साझा आध्यात्मिक विरासत और लोगों के बीच मधुर संबंध हमारे असाधारण संबंधों में गहराई और जीवंतता जोड़ते हैं।

नेतन्याहू के किस कदम से डरे बाइडन, आनन-फानन में लगा दिया फोन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति इजरायल के सैन्य अभियान की आशंका को लेकर टेंशन में हैं। इस कारण बाइडन ने इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को आनन-फानन में फोन लगाकर कहा कि राफह में इजराइल के सैन्य अभियान की आशंका से बहुत चिंतित हूं। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलविन ने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन और नेतन्याहू के संग बातचीत का खुलासा किया, जिसमें बाइडन ने नेतन्याहू से कहा कि वह इजराइल द्वारा गाजा सिटी और खान यूनिस की तरह ही रफह में बड़ा सैन्य अभियान चलाये जाने की आशंका से काफी चिंतित हैं। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलिवन ने सोमवार को अपने नियमित सुलिवन ने बताया कि बाइडन और नेतन्याहू ने रफह को लेकर विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने बताया कि 10 लाख से अधिक लोगों ने राफह में शरण ली है। उन्होंने कहा कि वे गाजा सिटी से खान यूनिस और फिर रफह गए, अब उनके पास कोई सुरक्षित जगह नहीं है। उन्होंने बताया कि गाजा के अन्य प्रमुख शहरों को बड़े पैमाने पर तबाह कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि इजराइल ने अमेरिका या दुनिया को यह योजना नहीं बतायी है कि वह कैसे या कहां उन नागरिकों को सुरक्षित स्थानांतरित करेगा।

उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि हमास को रफह या कहीं और पनाह न दी जाए। लेकिन वहां एक बड़ा जमीनी अभियान चलाना गलती होगी। इससे कई निर्दोष जान जाएगी, पहले से ही गंभीर मानवीय संकट और बढ़ेगा, गाजा में अराजकता बढ़ेगी तथा इजराइल अंतरराष्ट्रीय रूप से और अलग-थलग होगा।

अमेरिकी वीजा के लिए 22 मार्च तक भारतीय करा सकेंगे पंजीचन

वाशिंगटन। अमेरिका में विदेशी कामगारों के लिए वित्त वर्ष 2025 के वास्ते सबसे अधिक मांग वाले एच-1बी वीजा के लिए प्रारंभिक पंजीकरण 22 मार्च को पूर्वी समयानुसार अपराह्न 12 बजे खत्म हो जाएगा। विज्ञप्ति के अनुसार, गैर-आप्रवासी कामगार के लिए आवेदन फॉर्म आई-129 और प्रीमियम सेवा के लिए आवेदन फॉर्म आई-907 अब यूएससीआईएस के ऑनलाइन खाते पर उपलब्ध है। एच-1बी वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी कामगारों को विशेष व्यवसायों में नियुक्त करने की अनुमति देता है जिनके लिए सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

चीन को जबाव देने इन देशों के साथ त्रिपक्षीय शिखर वार्ता करेगा अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया में चीन, रूस और उत्तर कोरिया की बढ़ती गुटबाजी को देकर अमेरिका भी अपने गुट को मजबूत करने में जुट गया है। अब वह फिलीपींस और जापान के साथ पहली त्रिपक्षीय शिखर वार्ता करने जा रहा है। तीनों देशों के नेता त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए 11 अप्रैल को मिलने वाले हैं। इसके मेन एजेंडे के रूप में चीन के बढ़ते खतरे पर फोकस किया जाएगा। इसके साथ ही समावेशी आर्थिक विकास, उभरती प्रौद्योगिकियों और भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति व सुरक्षा को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग पर चर्चा होगी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन जापानी पीएम फुमियो किशिदा और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर की मेजबानी करेगा। व्हाइट हाउस ने घोषणा की है कि यह शिखर वार्ता व्हाइट हाउस में होगी क्योंकि तीनों नेता इंडो-पैसिफिक और उससे आगे त्रिपक्षीय सहयोग का विस्तार करना चाहते हैं। जीन पियरे का कहना है, राष्ट्रपति अंतरराष्ट्रीय कानून को बरकरार रखने और स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने की अमेरिका की प्रतिबद्धता पर जोर देगा। अमेरिका, जापान और फिलीपीन ने क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता की आलोचना की है। खासकर दक्षिण चीन सागर को लेकर क्योंकि चीन इस पर अपना दावा करता है। बीजिंग और फिलीपींस के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है।

पार्क लेन रेफरेंस मामले में पाकिस्तान राष्ट्रपति को राहत

- राष्ट्रीय खजाने में 3.77 अरब रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के खिलाफ भ्रष्टाचार के पार्क लेन रेफरेंस मामले में इस्लामाबाद कोर्ट में सुनवाई हुई। जरदारी राष्ट्रीय खजाने में 3.77 अरब रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। जरदारी को भ्रष्टाचार के एक मामले में मुकदमे से छूट मिल गई है। जरदारी के वकीलों ने कोर्ट से अपील की थी कि उनके मुवक्किल अब राष्ट्रपति हैं, ऐसे में उन्हें इस मामले से छूट मिलनी चाहिए। कोर्ट ने पूछा कि क्या सह आरोपियों के खिलाफ केस चलाया जा सकता है, इस पर वकीलों ने कहा चलाया जा सकता है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 17 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

यह मामला 2008 से 2013 के दौरान का है। उस समय जरदारी मुल्क के राष्ट्रपति थे। इस मामले को पार्क लेन रेफरेंस के तौर पर जाना जाता है। आरोप है कि उन्होंने अपनी फ्रंट कंपनियों को लोन दिलाने के लिए अधिकारियों को प्रभावित करने की कोशिश की और बाद में उस पैसे का दुरुपयोग किया। उन्होंने अपनी एक कंपनी पार्थेनन प्रा. लिमिटेड के लिए 1.5 अरब रुपये का लोन मिला था। लेकिन बाद में उन्होंने इस धनराशि को फर्जी बैंक खातों के जरिए अपने निजी इस्तेमाल के लिए ट्रांसफर कर दिया।

कम दामों पर प्रॉपर्टी खरदीने का आरोप

राष्ट्रपति जरदारी 2008 से 2013 तक पाकिस्तान के राष्ट्रपति थे. इस दौरान उन्होंने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर अपनी फ्रंट कंपनियों के लिए लोन लिया था लेकिन बाद में फर्जी खातों के जरिए इस पैसे का निजी तौर पर इस्तेमाल किया। पार्क लेन केस में जरदारी और उनके बेटे बिलावल अली जरदारी पर इस्लामाबाद में बेहद कम दरों पर 307 एकड़ की प्रॉपर्टी खरदीने का आरोप है। आरोप है कि जरदारी ने अपने पद का दुरुपयोग कर यह प्रॉपर्टी औने-पौने दाम पर खरीदी थी।

अब जल्द ही पुतिन जाएंगे चीन

मास्को। व्लादिमीर पुतिन ने दोबारा रुस के राष्ट्रपति चुने गए हैं। वह अपने नए कार्यकाल के दौरान पहली विदेश यात्रा चीन की करना चाहते हैं। सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि पुतिन मई में चीन जा सकते हैं, जहां वह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी तास का कहना है कि इस संबंध में एक बैठक हुई इसमें कम्युनिस्ट पार्टी के नेता जेनेडी जूगानोव ने पुतिन को पहले विदेशी दौरे के लिए चीन को चुनने की सलाह दी। जेनेडी ने कहा कि दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद आपका पहला दौरा किसी पूर्वी देश का नहीं बल्कि पश्चिमी देश का होना चाहिए। चीनी राष्ट्रपित जिनपिंग आपके दौरे का इंतजार कर रहे हैं, वह हमारे देश को बहुत मान सम्मान देते हैं। इसके बाद पुतिन ने चीन जाने का वादा किया। पुतिन ने कहा कि मैं यकीनन चीन जाऊंगा।

ज्वालामुखी विस्फोट से लावा निकलेगा तो धरती कैसे ठंडी होगी

-वैज्ञानिकों ने समझाया, कैसे होगा धरती का तापमान कम

वाशिंगटन (एजेंसी)। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर बहुत ही ताकतवर ज्वालामुखी फटता है और लावा निकलता है तो धरती का तापमान कम होता है। वैज्ञानिकों की इस बात से सवाल उठना लाजिमी है कि अगर ज्वालामुखी विस्फोट में धधकता हुआ लावा निकलेगा तो धरती ठंडी कैसे होगी? जबकि, अमूमन यही देखा गया है कि ज्वालामुखी के फटने पर आसपास का तापमान अचानक बहुत ज्यादा बढ़ जाता है।

शोधकर्ताओं का दावा है कि जब दुनिया के सबसे ताकतवर ज्वालामुखी फटते हैं तो धरती का तापमान बढ़ने के बजाय कम हो जाता है। ज्वालामुखी में होने वाले धमाके वैज्ञानिकों को धरती के इतिहास में हुए कूलिंग पीरियड को समझाने में भी मदद करते हैं। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा की ग्लोबल क्लाइमेट चेंज रिपोर्ट के मुताबिक, हर कुछ दशक में सबसे ताकतवर ज्वालामुखी विस्फोट में बड़ी मात्रा कण और गैस निकलती हैं। ये सूरज की रोशनी को सीधे धरती तक आने में रुकावट पैदा करते हैं। यही रुकावट ग्लोबल कूलिंग पीरियड के हालात तैयार करती है। जब दुनिया के सबसे शक्तिशाली ज्वालामुखियों में विस्फोट होता है तो ठंड का दौर 1 से 2 साल तक चलता है। ये इतना प्रभावी होता है कि पूरी दुनिया में इसका असर महसूस होता है। कुछ शोध का दावा है कि कभी-कभी ग्लोबल कूलिंग इतनी ज्यादा हो जाती है कि खतरा पैदा कर देती है।

नासा के गोडार्ड इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस स्टडीज और न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी के नए शोध में पिछले अध्ययनों कर रिपोर्ट्स में किए गए ऐसे दावे की जांच की गई है। अब तक शोधकर्ता सबसे शक्तिशाली ज्वालामुखी धमाकों के असर का सटीक अनुमान नहीं लगा पाए हैं। हालांकि, पूर्व में किए गए अध्ययन अनुमान लगाते हैं कि इससे धरती 2 से 8 डिग्री सेल्सियस तक ठंडी हो जाती है। इसे वोल्केनिक विंटर भी कहा जाता है। नए अध्ययन में वोल्केनिक विंटर की आशंका बेहद कम आंकी गई है। एक ताजा रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने 74,000 साल पहले सुमात्रा के टोबा ज्वालामुखी विस्फोट जैसे जबरदस्त धमाके को कंप्यूटर मॉडलिंग के जरिये समझाने की कोशिश की है। इसमें पाया गया कि सबसे शक्तिशाली विस्फोट के बाद धरती के तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा की कमी नहीं आएगी।

वैज्ञानिक ज्वालामुखी विस्फोटों को उनके छोड़े जाने वाले मैग्मा के आधार पर बांटते हैं। इसके मुताबिक, जब कोई ज्वालामुखी 1,000 क्यूबिक किलोमीटर से ज्यादा मैग्मा छोड़ता है तो उसे सुपर विस्फोट कहते हैं। ये विस्फोट बेहद शक्तिशाली होने के साथ-साथ दुर्लभ होते हैं।

सबसे हालिया सुपर-विस्फोट 22,000 साल से भी पहले न्यूजीलैंड में हुआ था। करीब 20 साल पहले व्योमिंग में भी सुपर विस्फोट हुआ था। बता दें कि ज्वालामुखी विस?फोट में कार्बन डाइऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैस भी निकलती है। ज्यादातर लोग जानते होंगे कि ग्रीनहाउस गैसें धरती का तापमान बढ़ाती हैं। इसीलिए दुनिया के सभी देश ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की रोकथाम की दिशा में काम कर रहे हैं।

महिला को भगाकर ले जाने पर पेशाब पिलाई, फिर प्रेमिका से चप्पल से पिटवाया

-आधी मूंछ काटी और गंजा करके पूरे गांव में घुमाया

उज्जैन। प्रदेश में एक युवक को शराब पिलाने का मामला सामने आया है। उज्जैन में शादीशुदा महिला को भगाकर ले जाने पर लोगों ने एक युवक को पेशाब पिला दी। प्रेमिका के हाथों से ही उसे चप्पल से पिटवाया। महिला और युवक दोनों ही बंजारा समाज के है। समाज के लोगों ने युवक की आधी मूंछ काटी और गंजा करके गांव में घुमाया। वही महिला की भी पिटाई कर दी। समाज के ही ग्रुप पर इसके वीडियो वायरल हुए, तब कहीं जाकर पुलिस तक मामला पहुंचा। मामला घट्टिया थाना क्षेत्र का है। घटना चार दिन पुरानी है। पुलिस बुधवार सुबह आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पहुंची, लेकिन सभी मजदूरी के लिए गए हुए थे। युवक-महिला दोनों घट्टिया थानाक्षेत्र के भीलखेड़ी गांव के रहने वाले हैं। युवक भी शादीशुदा है। महिला के दो बच्चे हैं। परिवार और गांव के लोग दोनों को राजस्थान से पकड़कर भीलखेड़ी लाए। लोगों ने उसे पेड़ से बांधकर जूते-चप्पल की माला पहनाई। उसका और परिवार का नाम पूछते हुए मुंह में जूते ठूंसे। आरोपियों ने युवक को जूते-चप्पल की माला पहनाकर घुमाया। वीडियो में लोग युवक से सिर पर जूता रखने के लिए भी कह रहे हैं। जिस महिला को वह भगा ले गया था, उसे बुलाकर चप्पलों से पिटवाया, बाद में महिला को भी पीटा गया। एडिशनल एसपी नितेश भार्गव ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। किसी ने भी अभी तक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। वीडियो के आधार पर आरोपियों का पता लगाकर कार्रवाई करेंगे।

10 महीना में 38 फ़ीसदी घट गया विदेशी निवेश

मुंबई। पिछले 10 माह में भारत का विदेशी निवेश लगातार घटता चला जा रहा है। पिछले 10 महीना के दौरान देश में 1.27 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भारत आया है। 1 साल पहले इसी अवधि में यह 2.5 लाख करोड़ रुपए था। पिछले वर्ष की तुलना में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में लगभग 38 फीसदी की कमी आई है। इसी बीच भारत से विदेश में निवेश करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक ने मंगलवार को जो बुलेटिन जारी किया है। उसके अनुसार भारतीय कंपनियों ने विदेशों में 83000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। भारतीय कंपनियों का विदेश में निवेश लगातार बढ़ रहा है। वहीं भारत में विदेशी निवेश कम हो रहा है। रिजर्व बैंक इसको लेकर चिंतित है। रिजर्व बैंक का मानना है, कि वैश्विक मंदी के कारण भारत में विदेशी निवेश घट रहा है।

एल्विश यादव को रिमांड पर ले सकती है पुलिस,सोशल मीडिया पर खंगाला जा रहा कंटेंट

नोएडा। यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें कम नहीं हो रही है। पुलिस यादव के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कंटेंट को खंगाल कर सबूत जुटा रही है। संभावना है कि पुलिस एलविश को रिमांड पर लेने के लिए आवेदन कर सकती है। जानकारी के मुताबिक, आईटी एक्सपर्ट की एक टीम उसके सोशल मीडिया अकाउंट को खंगाल रही है। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और अन्य जगहों पर अपलोड वीडियो को जांच की जा रही है। इन सबका ब्योरा पुलिस अपनी केस डायरी में दर्ज कर रही है। इसके बाद चार्जशीट दाखिल की जाएगी। इसके साथ-साथ पुलिस रेव पार्टी के आयोजकों का ब्योरा भी जुटा रही है और ये भी पता लगा रही है की इन पार्टियों में कौन-कौन आता था। सोशल मीडिया पर एल्विश यादव की फॉलोइंग बहुत ज्यादा है और उसके फॉलोअर्स और फैंस लगातार सोशल मीडिया पर मैसेज कर रहे हैं। कई बार वे अपनी भड़ास पुलिस पर निकालते भी दिखाई देते हैं। सोशल मीडिया पर एल्विश ने अपना सफर 2016 में शुरू किया था और अब उसके 1.49 करोड़ सब्सक्राइबर्स हैं। अपने वीडियो को हिट करने के लिए उसने कई तरह की चीजों का इस्तेमाल करता था। इनमें लग्जरी गाड़ियां, लोकेशन और जीव-जंतु भी होते थे। उसने सांप और विदेशी लड़कियों के साथ भी कई वीडियो अपने सोशल मीडिया पर डाले हुए हैं। सूत्रों की मानें तो जल्द ही पुलिस एल्विश को रिमांड के लिए भी आवेदन कर सकती है, जिन जगहों पर एलविश रेव पार्टी किया करता था उन जगहों पर भी पुलिस उसे ले जा सकती है। इसके साथ- साथ इस केस में पकड़े गए अन्य लोगों से आमना-सामना कराकर भी एक बार फिर पूछताछ हो सकती है। दूसरी तरफ गुड़गांव पुलिस भी एल्विश को वहां दर्ज केस के सिलसिले में रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। एलविश को ग्रेटर नोएडा के लुक्सर जेल की हाई सिक्योरिटी बैरेक में शिफ्ट करने के पीछे भी एक बड़ी वजह बताई जा रही है। सूत्रों ने बताया है कि जेल में भी कई कुख्यात गैंग के बदमाश बंद है जिसके चलते एलविश को हाई सिक्योरिटी बैरेक में रखा गया है।

झारखंड के चतरा में सीआरपीएफ के जवान ने खुद को गोली मारी, मौत

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में बुधवार को केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 32 वर्षीय जवान ने अपनी सरकारी राइफल से कथित तौर पर खुद को गोली मारकर जान दे दी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह घटना झारखंड की राजधानी रांची से करीब 200 किलोमीटर दूर वशिष्ठ नगर इलाके में सीआरपीएफ की 190 बटालियन की चौकी पर हुई। घटना की पुष्टि करते हुए सीआरपीएफ की 190 बटालियन के कमांडेंट मनोज कुमार ने बताया कि मृतक जवान के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। मृतक की पहचान निहाल सिंह के तौर पर हुई है जो बल में चालक के पद पर तैनात था। कुमार ने बताया कि राजस्थान के दौसा का निवासी सिंह तीन फरवरी को छुट्टी से लौटा था। उन्होंने कहा कि सिंह 2015 में सीआरपीएफ में शामिल हुआ था और 2022 में 190 बटालियन में आया था। इस बीच पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने कहा कि कथित खुदकुशी का सटीक कारण फिलहाल पता नहीं चल सका है।

गंभीर रूप से घायल अभिनेत्री अरुंधति को इलाज के लिए आर्थिक मदद की जरूरत: परिवार

बेंगलुरु (कर्नाटक)। छह दिन पहले एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई अभिनेत्री अरुंधति नायर की सर्जरी के लिए आर्थिक मदद की जरूरत है। अरुंधति की दोस्त और अभिनेत्री राम्या जोसफ ने बुधवार को यह बात कही। राम्या ने बताया कि अरुंधति 14 मार्च की रात को तिरुवनंतपुरम में अपने भाई के साथ एक बाइक पर घर लौट रही थीं तभी रास्ते में एक ऑटो ने उन्हें टक्कर मार दी। राम्या ने बताया कि उन्हें तत्काल अनंतपुरी अस्पताल ले जाया गया जहां अरुंधति के भाई को मामूली चोट के उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। अभिनेत्री ने कहा कि अरुंधति के अस्पताल में होने और इलाज के लिए पैसों की जरूरत होने की खबर सोशल मीडिया पर फैलने के बाद भी तमिल फिल्म उद्योग से किसी ने उनकी मदद के लिए हाथ नहीं बढ़ाया है। राम्या ने कहा, 'अरुंधति ने तमिल में पांच फिल्मों में शीर्ष किरदार अदा किया है। वह इतनी गंभीर रूप से घायल हो गई कि कल तक डॉक्टरों को संदेह था कि वह दिमागी रूप से मृत हो सकती हैं। फिर भी, तमिल फिल्म जगत से किसी ने संपर्क नहीं किया। मुझे पता है कि ऐसा जरूरी नहीं है, लेकिन अगर कोई फोन करता और उनका हालचाल पूछता तो अच्छा लगता, आर्थिक मदद की बात तो भूल जाइए।' राम्या ने कहा कि अरुंधति का जन्म और पालन-पोषण तिरुवनंतपुरम में हुआ था, लेकिन उन्होंने अब तक केवल एक मलयालम फिल्म में अभिनय किया है और फिर भी मलयालम फिल्म उद्योग एक आवाज पर आगे आया। अरुंधति की बहन आरती ने बताया कि जब परिवार और दोस्तों ने जिंदगी के लिए संघर्ष कर रही अरुंधति के लिए आर्थिक सहयोग लेना शुरू किया तो कई लोगों ने उनका मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा, 'मेरी बहन इतनी बुरी तरह घायल है, लेकिन कई लोग कह रहे हैं कि यह घोटाला है।' राम्या ने कहा कि समस्या तब शुरू हुई जब मलयालम अभिनेत्री और दोस्त गोपिका आनंद ने अपने सोशल मीडिया पेज पर आर्थिक मदद की अपील की। उन्होंने बताया कि अरुंधति की कलाई और कॉलर की हड्डी टूट गई है और सर्जरी के लिए करीब पांच लाख रुपये की जरूरत है। अरुंधति की बहन ने बताया कि डॉक्टर मस्तिष्क की सर्जरी की भी तैयारी कर रहे हैं।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता बनी हुई है खराब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत तापमान से तीन डिग्री सेल्सियस कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, राजधानी में दिन में आसमान मुख्य रूप से साफ रह सकता है। उसके आंकड़ों के अनुसार सुबह 9.05 बजे सापेक्ष आर्द्रता का स्तर 82 प्रतिशत दर्ज किया गया।

'बीजेपी में शामिल होने आ रहे थे हेलीकॉप्टर वाले नेता लेकिन...', बिना नाम लिए कमलनाथ पर कैलाश विजयवर्गीय का निशाना

भोपाल (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ और उनके बेटे नकुल नाथ का नाम लिए बिना कहा कि कई लोग भगवा पार्टी में शामिल होने के लिए विमान और हेलीकॉप्टर से आ रहे थे लेकिन इसने उनके लिए दरवाजे बंद रखे हैं। उनके बयान का हवाला उन मीडिया रिपोर्टों के हवाले से दिया गया, जिनमें दावा किया गया था कि पिता-पुत्र की जोड़ी ने महीनों पहले भाजपा में जाने की योजना बनाई थी।

विजयवर्गीय छिंदवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में अपनी पार्टी के लिए प्रचार कर रहे हैं - एकमात्र सीट जो कांग्रेस ने जीती थी - जो नाथ परिवार का गढ़ है। लोकसभा चुनाव 2019 में नकुल नाथ ने इस सीट से जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में उन्हें उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं। इंदौर, जबलपुर, उज्जैन और कई अन्य स्थान ऐसे हैं जहां कांग्रेस के पास कोई उम्मीदवार नहीं है और कोई भी कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं है। इस बार हम छिंदवाड़ा सीट से ही (जीतने की) शुरुआत करेंगे।

पिछले महीने भी, विजयवर्गीय ने कहा था कि भाजपा को कमल नाथ की जरूरत नहीं है और उनके लिए दरवाजे बंद हैं क्योंकि फरवरी में वरिष्ठ कांग्रेस नेता के अगले राजनीतिक कदम पर सस्पेंस बढ़ गया था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'मैंने कहा था कि हमारी पार्टी में कमल नाथ की कोई जरूरत नहीं है और इसीलिए उनके लिए दरवाजे बंद हैं।' इससे पहले अपने भाजपा में जाने की चर्चा को खारिज करने के एक दिन बाद, कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वह खुद को उन पर ÷थोपेंगे÷ नहीं और अगर वे उन्हें चाहेंगे तो ÷छोड़÷ देंगे। मध्य प्रदेश में अपने गृह क्षेत्र छिंदवाड़ा के हर्रई में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए 77 वर्षीय नेता ने कहा कि उन्हें कई वर्षों से उनका प्यार और विश्वास मिल रहा है।

पेपर लीक से पीड़ित परिवारों को बड़ा वोट बैंक मान रहे हैं अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पेपर लीक मामले को बड़ा मुद्दा बनाकर भारतीय जनता पार्टी की मुश्किलें बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। अखिलेश जो गणित लगा रहे हैं उसके आधार पर उन्हें लगता है कि यदि उनकी गणित सही बैठी तो यूपी से बीजेपी का सफाया जो गायेगा। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार लगातार भर्तियों को निरस्त कर रही है। प्रदेश के 60

लाख नौजवानों का भविष्य अंधकार में है और अगर वे और उनके परिवार वाले बीजेपी के खिलाफ हो गए तो पार्टी का उत्तर प्रदेश से सफाया हो जाएगा। उत्तर प्रदेश से हटने का मतलब देश से हटना हुआ। सपा अध्यक्ष ने कहा कि इन 60 लाख बच्चों के परिवार के अगर दो सदस्यों को भी मतदाता के रूप में शामिल कर लें तो एक करोड़ 80 लाख वोट होते हैं, अगर इस संख्या को 80 से भाग दे दें तो हर लोकसभा में भाजपा के दो लाख 25 हजार वोट कम हो जाएंगे। इस योजना को आगे बढ़ाने का काम समाजवादी लोग करेंगे। बता दें कि यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद अभ्यर्थियों ने कई दिनों तक प्रदर्शन किया था। अभ्यर्थियों के आगे सरकार को झुकना पड़ा था और भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया था। इसके अलावा आरओ और एआरओ भर्ती परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया था। यह परीक्षा भी रद्द कर दी गई थी। सरकार ने एसटीएफ को जांच सौंपी है और जांच चल रही है। पुन: परीक्षा भी कराई जा रही है, लेकिन अखिलेश इसके बहाने बीजेपी के सामने परेशानी खड़ी करके अपनी सीटें बढ़ाने में लगे हैं।

लोकसभा चुनाव: 102 सीटों के लिए अधिसूचना जारी, नामांकन की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव की पूरी तैयारी कर ली है। इसके लिए पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरु कर दी है। 102 सीटों के लिए अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मतदान होगा। राष्ट्रपति की तरफ से निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 27 मार्च है। इस चरण में 17 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों की 102 लोकसभा सीटों पर चुनाव होंगे। बता दें कि पहले चरण में तमिलनाडु की 29, राजस्थान की 12, उत्तर प्रदेश की 8, मध्य प्रदेश की 6, उत्तराखंड, असम और महाराष्ट्र की 5-5, बिहार की 4, पश्चिम बंगाल की 3, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय की 2-2 और छत्तीसगढ़, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और पुदुचेरी में की 1-1 सीटों पर मतदान होगा।

पहले चरण में जिन राज्यों की लोकसभा सीटों के लिए मतदान होने हैं, उन पर प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बता दें कि निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है, जिसके तहत देश भर में सात चरणों में मतदान संपन्न होंगे। बता दें कि पहले चरण के लिए 19 अप्रैल, दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल, तीसरे चरण के लिए 7 मई, चौथे चरण के लिए 13 मई, पांचवें चरण के लिए 20 मई, छठें चरण के लिए 25 मई और सातवें चरण के लिए 1 जून को वोट डाले जाएंगे। नतीजे 4 जून को आएंगे।

निर्वाचन आयोग ने कहा है कि वह निष्पक्ष, स्वतंत्र और सुरक्षित लोकसभा चुनाव आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पहले चरण के लिए 27 मार्च तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। हालांकि बिहार में पहले चरण में जिन लोकसभा सीट के लिए मतदान होना है, उनके लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख एक त्योहार की वजह से बढ़ाकर 28 मार्च की गई है। बिहार की 40 में से चार लोकसभा सीट पर मतदान प्रथम चरण में होगा। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 30 मार्च है, वहीं बिहार में प्रथम चरण की चार सीट के लिए नामांकन वापसी की प्रक्रिया दो अप्रैल तक जारी रहेगी। देश में 18वीं लोकसभा के लिए 19 अप्रैल को चुनाव शुरू होंगे और एक जून तक सात चरणों में मतदान होगा। मतगणना चार जून को होगी।

चुनाव प्रचार से पहले वडोदरा में रंजन भट्ट के खिलाफ पोस्टर वॉर, भाजपा के कई नेता हैं नाराज

वडोदरा (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के प्रचार से पहले वडोदरा सीट से भाजपा उम्मीदवार रंजन भट्ट के खिलाफ पोस्टर वॉर छिड़ गया है। जिसमें लिखा है 'मोदी तुझसे बैर नहीं, रंजन तेरी खैर नहीं।' बता दें कि रंजन भट्ट वडोदरा से मौजूदा सांसद हैं और भाजपा ने फिर एक बार उन्हें मौका दिया है। जिसे लेकर पार्टी के कई नेता नाराज चल रहे हैं। बीते दिन वडोदरा के सावली से विधायक केतन ईनामदार ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। हांलाकि गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील के साथ मुलाकात के बाद उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया था। वडोदरा में यह पोस्टर किसने लगाए इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। हांलाकि रंजन भट्ट के खिलाफ लगाए गए सभी पोस्टरों को हटा दिया गया है। चर्चा है कि भाजपा के भीतर ही कई नेता विभीषण बन गए हैं और ऐसे नेताओं ने तीसरी बार लोकसभा का चुनाव लड़ रही रंजन भट्ट के खिलाफ पोस्टर लगाए हैं। दूसरी ओर वडोदरा में लगे पोस्टर को लेकर रंजन भट्ट ने स्वयं शिकायत दर्ज करवा दी है। जिसके आधार पर जिला चुनाव अधिकारी ने मामले की जांच कर प्राथमिक रिपोर्ट मांगी है। अगर आचाह संहिता का उल्लंघन हुआ है तो जरूरी कार्यवाही की जाएगी। रंजन भट्ट के खिलाफ वडोदरा में कारेलीबाग, गांधी पार्क सोसायटी, वल्लभ पार्क सोसायटी, जागृति सोसायटी, झवेरनगर सोसायटी समेत आसपास के क्षेत्रों में पोस्टर लगाए गए है। रंजन भट्ट को तीसरी बार रिपीट किए जाने से कई नेता नाराज हैं। जिसमें वडोदरा की पूर्व मेयर और राष्ट्रीय महिला मोर्चा की पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. ज्योति पंड्या भी शामिल हैं। ज्योति पंड्या वडोदरा से टिकट की उम्मीद लगाए बैठी थीं, लेकिन रंजन भट्ट को तीसरी बार उम्मीदवार बनाने से वह नाराज हो गईं और पार्टी की परवाह किए बगैर सार्वजनिक रूप से नाराजगी व्यक्त की थी। साथ ही उन्होंने रंजन भट्ट पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लगाए थे।

मेटा का दावा- लोकसभा चुनाव के चलते गुमराह करने वाली खबरों पर कसेंगे शिकंजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म चलाने वाली कंपनी मेटा लोकसभा चुनाव को लेकर काफी सतर्क हो गई है। कहीं कोई फेक न्यूज, आपत्तिजनक सामग्री या अपवाह फैलाने वाले कंटेंट पर कंपनी नजर रख रही है। इसके लिए करीब 40 हजार लोगों की टीम लगाई गई है। यह टीम फेक्ट चेकर,एआई और कई तरह की हाईटेक तकनीकी का उपयोग कर इस पर नजर रखेगी। मेटा दुनिया भर में बचाव एवं सुरक्षा जैसे विषयों पर 40,000 लोगों के साथ मिलकर काम कर रही है। कंपनी 2016 से इस पर 20 अरब डॉलर लगा चुकी है। इनमें सामग्री की समीक्षा करने वाले 15,000 लोग भी शामिल हैं, जो फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स जैसे प्लेटफॉर्म पर 70 भाषाओं में काम कर रहे हैं। इनमें 20 भारतीय भाषाएं भी शामिल हैं। मेटा ने यह भी कहा कि गुमराह करने वाली सामग्री की पहचान और उससे होने वाले जोखिम को रेटिंग देने में अपने फैक्ट-चेकर की मदद करने के लिए वह 'कीवर्ड डिटेक्शन' तकनीक का इस्तेमाल करेगी। कंपनी स्वैच्छिक नीति संहिता के माध्यम से भारतीय निर्वाचन आयोग को सहयोग दे रही है। इस संहिता में निर्वाचन आयोग सोशल मीडिया कंपनियों को गैर-कानूनी सामग्री पर ध्यान देने के लिए कहता है। मेटा 2019 में इस व्यवस्था से जुड़ी थी। इस आम चुनाव में जेनेरेटिव एआई की मदद से तैयार सामग्री पर भी आयोग समेत सबकी निगाहें होंगी। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कुछ महीने पहले बड़ी तकनीकी कंपनियों को ऐसी व्यवस्था (वाटर मार्किंग) या प्रणाली तैयार करने के लिए कहा था, जो एआई डीपफेक के इस्तेमाल से तैयार सामग्री का पता लगा सके। मेटा के साथ काम कर रहे फैक्ट-चेकर एआई से तैयार सामग्री की समीक्षा करने के साथ उन्हें रेटिंग भी देंगे। मेटा ने कहा कि वह गूगल, ओपनआई, माइक्रोसॉफ्ट, अडोबी, मिडजर्नी और शटरस्टॉक द्वारा एआई से तैयार तस्वीरों की पहचान कराने के लिए नई तकनीक तैयार कर रही है। यूजर इन कंपनियों द्वारा तैयार तस्वीरों को फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स पर डालते रहते हैं। मेटा की तरह गूगल भी चुनाव के दौरान मतदाताओं को गुमराह करने वाली सामग्री पर नकेल कसने में सहयोग कर रही है। कंपनी ने अपने एआई प्लेटफॉर्म जेमिनी में कुछ बदलाव किए हैं जिसके बाद यह भारतीय चुनावों से सीधे तौर पर जुड़े किसी सवाल का जवाब नहीं दे पाएगा। देश में 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में लोकसभा चुनाव कराए जाएंगे। मेटा ने कहा है कि वह गुमराह करने वाली खबरें फैलने से रोकने के सभी उपाय करेगी। कंपनी ने कहा कि वह मतदाताओं को प्रभावित करने वाली सामग्री हटाएगी और फेसबुक और थ्रेड्स पर पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए जवाबदेही तय करेगी। मेटा ने कहा है कि देश में आम चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी रखने में वह अपनी तरफ से पूरा सहयोग करेगी।

राज ठाकरे की भाजपा से नजदीकियों पर भड़के उद्धव बोले- महाराष्ट्र में पीएम मोदी की नहीं है लहर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एक समय था जब शिवसेना की तूती बोलती थी। हर एक दल शिवसेना से हाथ मिलाना चाहता था। अब तस्वीर बदली है। पहले शिवसेना के हाथ से पार्टी गई अब ठाकरे सरनेम भी खिसक रहा है। इसे नाराज शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को केंद्र की सत्ताधारी भाजपा पर चुनाव जीतने के लिए एक ठाकरे को चुराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उद्धव ठाकरे की यह टिप्पणी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच दिल्ली में हुई एक बैठक के मद्देनजर आयी है। उद्धव ठाकरे ने नांदेड़ जिले में एक सभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि यदि भाजपा उनके चचेरे भाई को अपने साथ ले लेती है, तो इससे उन्हें कोई परेशान नहीं होगी। उद्धव ने कहा, ''भाजपा अच्छी तरह से जानती है कि उसे महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर वोट नहीं मिलने वाले हैं। लोग यहां (बाल) ठाकरे के नाम पर वोट करते हैं। इस अहसास ने भाजपा को बाहर (भाजपा) से नेताओं को चुराने की कोशिश करने के लिए प्रेरित किया है।''उन्होंने भाजपा पर बाल ठाकरे की विरासत को हड़पने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उन्होंने मराठवाड़ा क्षेत्र में नांदेड़ और हिंगोली जिलों के अपने दो दिवसीय दौरे के समापन पर कहा, पहले, उन्होंने बाल ठाकरे की तस्वीर चुरायी, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आज, वे एक और ठाकरे को चुराने की कोशिश कर रहे हैं...इसे ले लो, मैं और मेरे लोग काफी हैं।उद्धव ठाकरे की पार्टी विपक्षी महा विकास आघाडी और 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है। उन्होंने दावा किया कि ईसाइयों और मुसलमानों को भी उनकी हिंदुत्व की शैली से कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा, जब हम भाजपा के साथ थे, तब शिवसेना (अविभाजित) की छवि खराब हो रही थी लेकिन जब से हमने उनसे संबंध तोड़ा है, ईसाई और मुस्लिम समुदाय के सदस्य भी कह रहे हैं कि उन्हें हमारी हिंदुत्व की विचारधारा से कोई दिक्कत नहीं है। वहीं दूसरी तरफ, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने भी मंगलवार को आरोप लगाया कि राज ठाकरे के नेतृत्व वाली एमएनएस और भाजपा गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वे महा विकास आघाडी (एमवीए) की सफलता से डर गए हैं। दिल्ली में राज ठाकरे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच बैठक के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा कि अगर एमएनएस, भाजपा नीत महायुति में शामिल होती है, तो इसका राज्य की राजनीति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''यह घटनाक्रम एमवीए की सफलता के डर से हो रहे हैं।''राउत ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग बहुत बुद्धिमान हैं और वे राज्य के खिलाफ रुख रखने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेंगे। एमवीए में शिवसेना (यूबीटी) के अलावा कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) अन्य घटक हैं। जब शिवसेना अविभाजित थी, तब राज ठाकरे ने उद्धव के साथ अपने मतभेदों के कारण, उससे नाता तोड़ लिया था और 2006 में महाराष्ट्र नव निर्माण सेना की स्थापना की थी। भले ही राज ठाकरे को एक शक्तिशाली वक्ता के रूप में देखा जाता है और उनके समर्थकों का एक आधार है, लेकिन उनकी पार्टी ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सकी।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में जज जरूरी नहीं, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी सरकार ने बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं का विरोध किया, जिसमें चुनाव आयुक्तों का चयन करने वाले पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया गया था। इसमें आरोप लगाया गया कि असमर्थित और हानिकारक बयानों के आधार पर राजनीतिक विवाद पैदा करने की कोशिश की गई। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में दायर एक हलफनामे में, सरकार ने याचिकाकर्ताओं के इस आरोप को खारिज कर दिया कि ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को शीर्ष अदालत द्वारा पारित किसी भी आदेश को रोकने के लिए 14 मार्च को 'जल्दबाजी' में नियुक्त किया गया था। सरकार ने तर्क दिया कि इतने बड़े पैमाने पर आम चुनाव के कारण एक सीईसी के लिए अकेले अपने कार्यों का निर्वहन करना मानवीय रूप से संभव नहीं होगा। सरकार ने कांग्रेस नेता जया ठाकुर और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा अधिनियम के खिलाफ दायर याचिका के जवाब में दायर किया था। याचिका में कहा गया था कि चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति कार्यपालिका के हाथों में छोड़ना 'लोकतंत्र के स्वास्थ्य और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के संचालन के लिए हानिकारक होगा। न्यायालय ने निर्देश दिया था कि सीईसी और चुनाव आयुक्तों के पदों पर नियुक्तियाँ प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश की सदस्यता वाली एक समिति की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा की जानी चाहिए।

दिल्ली बॉर्डर से हटने लगे सीमेंटेड बैरिकेड्स, दिल्ली वालों को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली(एजेंसी)। किसान आंदोलन के चलते दिल्ली से सटी सीमाओं के आसपास सीमेंटिड बैरिकेड्स लगाए गए हैं। इसके कारण यातायात का मार्ग भी बदला गया था। लंबा जाम लगता था और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब इससे राहत मिलने जा रही है। एक बार फिर बड़े किसान आंदोलन की सुगबुगाहट के चलते 13 फरवरी को दिल्ली पुलिस ने टिकरी, सिंघू और गाज़ीपुर सीमाओं को कंक्रीट और लोहे की कीलों के बहुस्तरीय बैरिकेड्स के साथ सील कर दिया था। लेकिन यात्रियों के लिए आसान आवाजाही फिर से शुरू करने के लिए सीमेंटेड ब्लॉक और बैरिकेड्स को हटाना शुरू कर दिया है।

दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को गाज़ीपुर सीमा पर बैरिकेड्स को हटाना शुरू कर दिया क्योंकि किसानों ने राष्ट्रीय राजधानी की ओर अपना मार्च रोक दिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, यातायात के बेहतर बनाने के लिए, हमने गाज़ीपुर सीमा से सीमेंटेड बैरिकेड्स को हटाने का निर्णय लिया है। बैरिकेड्स को हटाने की प्रक्रिया में एक या दो दिन लग सकते हैं। हालांकि पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती से चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जाएगी यानी बल की तैनाती पहले की तरह ही रहेगी।कंक्रीट बैरिकेड्स हटाने के साथ टिकरी बॉर्डर का ज्यादातर हिस्सा खोल दिया गया है लेकिन लोहे के बैरिकेड्स अभी भी सड़क किनारे लगे हुए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस अभी भी सीमाओं पर नजर रखे हुए है। बता दें कि संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने पिछले महीने दिल्ली चलो मार्च बुलाया था, जिसके बाद पंजाब-हरियाणा सीमा पर प्रदर्शनकारी किसानों और हरियाणा पुलिस के जवानों के बीच झड़प हो गई थी। कुछ यात्रियों ने कहा कि इन बैरियरों के खुलने से ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत मिलेगी और लोग समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने 25 फरवरी को यात्रियों के लिए टिकरी और सिंघू बॉर्डर पर सीमेंट के बैरिकेड्स हटा दिए थे। अधिकारी ने कहा, अन्य दो सीमाओं - सिंघू और टिकरी पर भी यात्रियों को छूट दी गई है। सिंघू में दिल्ली-हरियाणा को जोड़ने वाले फ्लाईओवर की साइड लेन पर लगाए गए कंक्रीट बैरिकेड हटा दिए गए हैं हालाँकि, फ्लाईओवर पर बैरिकेड्स अभी भी लगे हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यात्रियों से भरी सिटी बस के साइलेंसर में आग लग गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम द्वारा संचालित सिटी बसों में आग लगने की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इसी बीच एक और घटना सामने आई है। आज सुबह वनिता विश्राम के सामने यात्रियों से भरी सिटी बस के साइलेंसर में आग लग गई। नतीजा यह हुआ कि , जगह तहस-नहस हो गई। वहीं यात्रियों में भी अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, ड्राइवर ने समय की पाबंदी दिखाते हुए बस को तुरंत साइड में ले लिया और सभी यात्री सुरक्षित उतर गए।

अग्निशमन विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह कोसाड डिपो की सिटी बस एयरपोर्ट जा रही थी. इसी दौरान बस महावीर हॉस्पिटल वनिता विश्राम के पास से गुजर रही थी. उसी वक्तलोगों में भगदड़ मच गयी. जब बस के साइलेंसर में आग लगी तो वह मौके पर मौजूद थे। घटना की जानकारी हुई। दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। अग्निशमन अधिकारी प्रजनेश पटेल ने बताया कि आग सामान्य थी। कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। वहीं बस चालक सोमसिंह सूर्यवंशी ने बताया कि वह सुबह ६.३० बजे कोसाड डिपो से बस लेकर सूरत रेलवे पहुंचने के बाद एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए। स्टेशन। बस के अंदर लगभग २० से २५ यात्री थे। जब वनिता विश्राम को कुछ जलने की गंध आई, तो बस को तुरंत रोक दिया गया और सभी यात्री सुरक्षित बाहर आ गए।

साइलेंसर में आग लगी थी इसलिए आग बुझाने के लिए अग्निशमन यंत्र का इस्तेमाल किया गया। लेकिन, उस पर काबू नहीं पाया गया तो फायर कंट्रोल को सूचना दी। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई।इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

भारत के प्रोएक्टिव सिम कार्ड दुबई भेजने वाले रैकेट का भंडाफोड़

सूरत से फ्लाइट पकड़ने से पहले १९२ कार्ड के साथ दो पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दुबई में एक चीनी कंपनी को अवैध भारतीय प्री-एक्टिवेटेड सिम कार्ड भेजने वाले रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। दोनों व्यक्तियों को १९२ सिम कार्ड के साथ दुबई के लिए उड़ान पकड़ने से पहले ही पुलिस ने पकड़ लिया। इन दोनों वस्तुओं पर पुलिस की नजर थी. कार्ड का उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया गया सहित विवरण प्राप्त करने के बाद जांच की गई है।

पुलिस को सूचना मिली कि एक गिरोह भारत में अवैध रूप से प्री-एक्टिवेटेड सिम कार्ड हासिल कर उन्हें दुबई भेजने का काम कर रहा है. इसलिए गिरोह का एक सदस्य दूसरे सदस्य को बड़ी संख्या में सक्रिय सिम कार्ड दुबई भेजने की कोशिश कर रहा है। ये दोनों सिम कार्ड डिलीवर करने के लिए सूरत रेलवे स्टेशन पर इकट्ठा हुए थे.

पुलिस ने दुबई के मूल निवासी अजय किशोर सोजित्रा और साहद फारूक बगुना को उठाया। उसके पास से एयरटेल कंपनी के कुल १९२ एक्टिव कार्ड मिले। अजय से पूछताछ में पता चला कि डब में ऑनलाइन गेम खेलने वाली एक चीनी कंपनी भारतीय सिम कार्ड से भारत में रहने वाले लोगों से ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर ठगी कर रही है. इसलिए ऑर्डर मिलने के बाद उन्होंने सूरत में रहने वाले उमेश, रेशमा और केतन नाम के शख्स से संपर्क किया और उन्हें एक प्रोएक्टिव सिम कार्ड का ऑर्डर दिया. जिसमें इस सिम कार्ड को सहाद फारूक बागू की फ्लाइट से दुबई ले जाना था, लेकिन पुलिस ने इसे पहले ही जब्त कर लिया था.

घरेलू अनैतिक व्यक्तिकी हत्या के जुर्म में नाबालिग सहित ३ को गिरफ्तार किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जहांगीरा का सूरत के हनीपार्क इलाके से अपहरण कर बाद में हत्या कर दी गई थी. देवी पूजन करने वाले युवक की हत्या के मामले में अडाजण पुलिस ने तीन जनों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक नाबालिग है. जबकि दो युवा आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

अडाजण क्षेत्र में हुई हत्या की घटना को लेकर अडाजण पुलिस ने हत्यारों को पकड़ने के लिए कमर कस ली थी. जिसमें अडाजण पुलिस ने एक नाबालिग और दो अन्य लोगों को हिरासत में लेकर रिमांड पर लेना शुरू कर दिया है. रवि राजू सुरेला और भरत रमन वाघरी नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हत्या एक महिला से अनैतिक संबंध में हुई है। मृतक का एक पारिवारिक महिला से अनैतिक संबंध था। तब समझौते के लिए बातचीत चल रही थी।

अडाजण पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है. इसके साथ ही कानून का उल्लंघन करने वाले एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है. पारिवारिक महिला से अनैतिक संबंधों के चलते युवक ने महिला को भगा दिया। यह मामला १० महीने से चल रहा था. पता चला है कि झगड़े में सुलह कराने के लिए बुलाने पर उसकी हत्या की गई है। अडाजण पुलिस ने एक और व्यक्ति को वांछित घोषित किया है.

ख्वाजानगर की सड़कों पर चिया गिरोह के सट्टेबाजों का आतंक फैला हुआ है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सलाबतपुरा इलाके में स्थित ख्वाजानगर में असामाजिक तत्वों के एक समूह ने हाथों में तलवार और चप्पू जैसे घातक हथियार लेकर खूब आतंक मचाया. असामाजिक तत्वों के एक समूह ने निर्दोष लोगों पर हथियारों से हमला किया और तोड़फोड़ की. ख्वाजानगर की सड़कों पर उनके वाहन। इन तत्वों के आतंक को देखकर स्थानीय लोग काफी डरे और सहमे हुए थे.

जब ये उपद्रवी पुलिस को खुलेआम चुनौती दे रहे थे और कानून को अपनी जेब में लेकर घूम रहे थे, तब उन्होंने अपने भाईचारे का परिचय दिया और आम लोगों में डर फैलाने के लिए आतंक पैदा किया। हालांकि, इन तत्वों के आतंक का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। चौंक गए और आदत छुड़ाने के लिए तत्काल जांच की गई। उनमें से दो की गिरफ्तारी रोक दी गई। इतना ही नहीं, पुलिस ने इन आतंकवादी तत्वों का सार्वजनिक जुलूस निकाला और उन्हें भागने के स्थान पर ले आई।

सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने दंगा फैलाने वाले आरोपियों में से आरोपी रोजन उर्फ सद्दाम उर्फ छोटू उस्मान (निवासी-बखद मोहलो मंडरवाजा) और साजिद उर्फ कालिया सज्जाद शेख (निवासी-ख्वाजानगर मंदारवाजा) को कल गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा इन आरोपियों का सार्वजनिक जुलूस निकाला गया।

इतना ही नहीं, अनुकरणीय बात यह थी कि दो दिन पहले ये तत्व अपने गिरोह के साथ खुलेआम हथियार लेकर ख्वाजानगर की सड़कों पर अशांति फैला रहे थे, जहां वे लोगों के बीच अपनी हिंसा फैला रहे थे, पुलिस ने आरोपियों को सरेआम गिरफ्तार कर लिया। अपने हथियार दिखाकर अपना वर्चस्व दिखा रहे थे और सड़कों पर झुककर और घुटने टेककर अपना भाईचारा दिखा रहे थे। कानून की सख्ती के खिलाफ इन तत्वों की बुद्धि सामने आ गई। पुलिस ने गिरफ्तारी अभियान के बाद दोपहर में आरोपियों को अदालत में पेश किया। आगे पता चला कि ख्वाजा नगर को आतंकित करने वाले ये तत्व कुख्यात चिया गिरोह के सदस्य थे। इन तत्वों को हथियारों के साथ प्रवेश करते और आतंक फैलाते देखा गया था। बदमाशों के आतंक की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई.

प्रेमी की शादी होने की निराशा में महिला कांस्टेबल ने आत्महत्या कर ली।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सिंगणपोर इलाके में एक महिला पुलिसकर्मी ने आत्महत्या कर ली. इस आत्महत्या से पहले महिला कांस्टेबल ने एक सुसाइड नोट लिखा था. जिसके आधार पर जांच की गई। इसी बीच आत्महत्या करने वाली हर्षनाबेन की रूम पार्टनर का बयान लिया गया तो पता चला कि हर्षनाबेन चौधरी का साइबर क्राइम में नौकरी के दौरान प्रशांत भोये से प्रेम संबंध था. प्रशांत को शादी की जल्दी थी और हर्षनाबेन तैयार नहीं थीं। इसलिए दोनों के बीच झगड़े होने लगे। इसी बीच अवसादग्रस्त हर्षनाबे ने आत्महत्या कर ली।

डीसीपी पिनाकिन परमार ने कहा कि पीआई हर्षनाबेन चौधरी के आत्महत्या मामले की व्यक्तिगत रूप से जांच कर रहे हैं। जो सुसाइड नोट मिला है उसमें व्यक्तिगत तौर पर किसी के नाम का जिक्र नहीं है. लेकिन मृतक के रूममेट प्रशांत भोनी से पूछताछ करने पर पता चला कि मृतक के बीच प्रेम संबंध था. प्रशांत भोनी और मृतिका हर्षना चौधरी के बीच प्रेम संबंध था. जिसे प्रशांत ने कबूल कर लिया है. प्रशांत को शादी की जल्दी थी. इस वजह से दोनों के बीच छोटे-मोटे झगड़े भी होते रहते थे। हर्षनाबेन चौधरी ने शादी के लिए समय मांगा. दोनों पिछले तीन साल से एक दूसरे से प्यार करते थे। दोनों को एक दूसरे से शादी करनी थी. प्रशांत पहले एक दुर्घटना के कारण अपने गृहनगर डांग चले गए थे। जहां मोबाइल नेटवर्क नहीं था, वहां दोनों का संपर्क टूट गया. जिसके कारण हर्षनाबेन चौधरी उदास रहने लगी थीं. हर्षनाबेन चौधरी को यह भी चिंता थी कि शादी की जल्दी में रहने वाला प्रशांत कहीं किसी और से शादी न कर ले. प्रशांत भोनिये का बयान दर्ज कर लिया गया है. मामले में द्वेष पाए जाने पर अपराध दर्ज किया जाएगा। प्रेम प्रसंग की जानकारी दोनों के परिवार को भी थी। डीसीपी ने आगे कहा कि आगे की जांच जारी है।

खाने के शौकीन सावधान
टेंपो से २३० किलो अखाद्य नकली पनीर बरामद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लोग खाने के शौकीन हैं. इसीलिए सूरत में लॉरी, फूड ट्रक, रेस्टोरेंट खूब चल रहे हैं। यहां हर दूसरी सड़क पर नए-नए व्यंजन बेचने वाले ट्रक खड़े हैं। होटल के रेस्तरां में स्वादिष्ट चीजें भी उपलब्ध हैं। लॉरियों, रेस्तरांओं में हर दिन भीड़ रहती है। आमतौर पर लोग पनीर की सब्जी ही ऑर्डर करते हैं, लेकिन अब सूरत के होटलों में पनीर ऑर्डर करने से पहले सोचें. होटल, रेस्तरां, लॉरियों में उपलब्ध पनीर के व्यंजनों में असली पनीर का उपयोग नहीं किया जाता है। ज्यादातर नकली पनीर का इस्तेमाल किया जाता है. यह नकली पनीर वलसाड से सूरत आता है। सूरत नगर स्वास्थ्य विभाग ने नकली पनीर रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सूरत नगर स्वास्थ्य विभाग ने पांडेसरा इलाके से बड़ी मात्रा में संदिग्ध अखाद्य पनीर जब्त किया है। स्वास्थ्य विभाग ने एक टैम्पोमा से २३० किलो अखाद्य पनीर जब्त किया है. यह पनीर वलसाड से सूरत लाया गया था. जब इसकी आपूर्ति की जा रही थी, तो सूरत नगर स्वास्थ्य विभाग ने इसे जब्त कर लिया। इसके बाद खाद्य विभाग को सूचना दी गई। खाद्य विभाग ने अखाद्य पनीर को जांच के लिए लैब में भेज दिया है. नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी जगदीश सलोके ने बताया कि हमें फोन पर सूचना मिली थी, जिसके आधार पर विभाग ने छापेमारी की. टेंपो में पनीर मिला। प्रारंभिक जांच में पता चला कि पनीर खाने योग्य नहीं था। आगे की जांच चल रही है.

होटल के रेस्टोरेंट में पनीर १५० रुपये में बिकता है

आमतौर पर बाजार में पनीर की कीमत ४०० से ४५० रुपये प्रति किलो होती है, लेकिन वलसाड का यह अखाद्य पनीर महज १५० रुपये में बिका. इसे ज्यादातर सूरत में होटल और रेस्तरां मालिक खरीदते हैं। सूरत के पांडेसरा का रहने वाला भरत तोमर नाम का शख्स वलसाड के निर्माता से यह पनीर खरीदता था. उसका ड्राइवर चन्द्रशेखर पनीर वलसाड से सूरत लाते समय पकड़ा गया। भरत तोमर इस पनीर को पांडेसरा और उधना के होटलों और रेस्तरां में १८० रुपये में बेचता था।

आरपीएफ के एएसआई पर सात-आठ युवकों ने किया पथराव, सिर में कई फ्रैक्चर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सूरत रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ के एएसआई रविवार आधी रात के बाद पैदल गश्त के लिए निकले थे, तभी रास्ते में मोबाइल स्नैचिंग हो रही थी. रेलवे ट्रैक। स्मीमेर अस्पताल के पीछे शेल्टर होम के पास मिट्टी के ढेर पर सात-आठ संदिग्ध युवक बैठे मिले। एएसआई ने उन्हें घर जाने को कहा, जबकि युवक झूठ बोल रहे थे कि वे शेल्टर होम के हैं। युवकों ने पथराव कर दिया। वराछा पुलिस ने मामला दर्ज कर एक को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार ए/१०३, वलसाड, अब्रामा कृष्णा पार्क निवासी ५५ वर्षीय सीताराम बंसीलाल मीना पिछले दो माह से सूरत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में एएसआई के पद पर कार्यरत थे। इसी बीच दोपहर १२.३० बजे उनके साथ बस्ती में रहने वाले हसमुख भाई यह कहकर निकले कि वह रेलवे ट्रैक पर पैदल गश्त के लिए जा रहे हैं, जहां मोबाइल छिनतई और चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं. इसी बीच करीब २० से २५ की संख्या में सात से आठ लोग आ गए. रेलवे ट्रैक के बगल में सीमेंट की दीवार के बाहर मिट्टी के ढेर पर वर्षों की उम्र के लड़के लेटे हुए थे। लड़के सशंकित बैठे थे। सीताराम ने उनसे पूछा कि तुम यहाँ क्या कर रहे हो? आप कहाँ रहते हैं तो युवक ने सामने शेल्टर होम दिखाया और कहा कि हम वहां रहते हैं।

तो सीताराम शेल्टर होम गया और प्रभारी को जगाया और लड़कों को शेल्टर होम ले जाने को कहा. प्रभारी ने कहा कि लड़के हमारे शेल्टर होम के नहीं हैं. तो लड़कों से पूछने पर सीताराम का झगड़ा हो गया. घर जाने के लिए। सीताराम ने स्टाफ के हसमुखभाई को फोन किया और लड़कों को दौड़कर वहां से आने के लिए कहा। पथराव के दौरान चोट लगने के कारण वह बेहोश हो गए। जब उन्हें होश आया, तो वह अस्पताल में थे और उनके कान, नाक में कई फ्रैक्चर हुए थे। , आंख और सिर। घटना की खबर मिलने पर पहुंची वराछा पुलिस ने सीताराम की शिकायत के आधार पर सात से आठ युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया और उनमें से एक को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि सभी युवक पास की झुग्गियों के निवासी थे और एएसआई से भिड़ गए थे और पथराव किया था। आगे की जांच पीएसआई वीके उंजिया द्वारा की जा रही है।